हरिभूमि

महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि

रोहतक, सोमवार, 13 अक्टूबर 2025

11 खेड़की में 250 एकड़ में कच्ची वाटर बॉडी निर्माण कार्य...

12 तीन साल में ही मॉडल सड़क ने तोड़ा दम, वाहन चालक...

कालाबाजारी से लेकर रिश्तेदारी निभाने तक की कह रहे बात

पिछले साल से ज्यादा बिक चुका डीएपी खाद, फिर भी किसानों में मारामारी

खाद विक्रेताओं को समझ नहीं आ रही डीएपी खाद की मारामारी, तरह तरह की शंका कर रहे व्यक्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

जिले में रबी सीजन में डीएपी खाद की बिक्री में वृद्धि हुई है, लेकिन फिर भी किसानों को खाद के लिए मारामारी करनी पड़ रही है। कमाल की बात है कि रबी की बिजाई शुरू भी नहीं हुई, लेकिन मारामारी जरूर हो रही है, जबकि डीएपी गत अगस्त महीने से ही बेचा जा रहा है। खाद विक्रेताओं एवं प्रशासनिक अधिकारियों को समझ नहीं आ रहा कि एडवांस में किसान खाद खरीदने के बावजूद ऐसा क्यों कर रहे हैं। इस मारामारी को लेकर वह तरह-तरह की आशंका भी व्यक्त कर रहे हैं।

समय पर नहीं मिल रही पर्याप्त खाद

उल्लेखनीय है कि पिछले साल 30 नवंबर तक पूरे जिले में 2600 मीट्रिक टन डीएपी खाद बिका था, जबकि इस साल महज 11 अक्टूबर तक ही 2500 मीट्रिक टन डीएपी खाद बिक चुका है। इसके अलावा, इसी सीजन में 700 एमटी एनपीके तथा 450 एमटी थ्री टीएसपी भी बिका है। यानि लगभग 3650 मीट्रिक टन खाद अब तक बिक चुका है, जो पिछले साल से काफी ज्यादा है। मगर इसके बावजूद जब देखो, तब ही खाद केंद्रों पर किसानों की भीड़ एवं लाइनें देखने को मिल रही हैं। किसानों में खाद के लिए मारामारी मची हुई है। जिले में प्रत्येक खरीद केंद्र के ऐसे ही हालात बने हैं। शनिवार को मंडी अटेली में किसानों ने गहरा आक्रोश प्रकट किया तथा रोष स्वरूप मंडी के गेट तक बंद कर दिए। महेंद्रगढ़ जिले में खाद की कमी के कारण किसानों को परेशानी हो रही है और वे खाद के लिए लंबी लाइनें लगा रहे हैं। किसानों का आरोप है कि उन्हें समय पर पर्याप्त खाद नहीं मिल रही है।

महेंद्रगढ़। गोदाम में रखा खाद। फोटो : हरिभूमि

यह बोले खाद अधिकारी

खाद की कोई कमी नहीं है। जिले में अभी से पिछले साल की तुलना में काफी अधिक डीएपी खाद बिक चुका है। यदि फिर भी डीएपी की डिमांड बनी हुई है तो मांग के अनुरूप और खाद मंगवाया जाएगा।

-प्रवीण भारद्वाज, जिला प्रबंधक, खाद वितरण एजेंसी हैफेड

अब होनी है बिजाई शुरू

इलाके में रबी सीजन के तहत सबसे पहले सरसों की बिजाई की जाएगी। इसकी तैयारी किसान कर चुके हैं। किसान गत दिनों हुई बरसात से बनी नमी का अधिकाधिक फायदा उठाना चाहते हैं। इसी कारण अबकी बार जिले में कृषि रकबा 20 प्रतिशत तक बढ़ने की संभावना है। जिले में पिछले सालों में लगभग 3.55 लाख एकड़ में रबी बिजाई की जाती रहती है। बरसात के कारण अबकी बार इसमें बढ़ोतरी की पूरी संभावना देखी जा रही है। कुछ किसान तो इसी कारण अतिरिक्त खाद जुटाने में लगे हुए हैं। इतना ही नहीं, सरसों की बिजाई के बाद गेहूं की फसल की बिजाई के लिए भी किसानों को डीएपी खाद की जरूरत होती है। इस कारण किसान उस ट्रेक पर चलते दिखाई दे रहे हैं कि डीएपी खाद जितना मिल जाए, उतना थोड़ा।

कालाबाजारी की भी आशंका

जिला महेंद्रगढ़ की सीमाएं चारों ओर से राजस्थान से घिरी हुई हैं और यहां के लोगों के नजदीकी राजस्थान में रोटी-बेटी का रिश्ता भी बना हुआ है। ऐसे में रिश्तेदारों के यहां भी खाद भिजवाने की आशंका है। कुछ लोग ऐसे भी हैं जो बहती गंगा में हाथ धौने की परंपरा को निभाते हुए खाद की कालाबाजारी भी कर सकते हैं। ऐसे में प्रशासन को निगरानी करने की भी आवश्यकता होगी।

अहोई अष्टमी

संतान की लंबी उम्र के लिए माताएं आज रखेंगी व्रत

नारनौल। हिंदू धर्म में मातृत्व की ममता व संतान की मंगलकामना से जुड़ा पावन पर्व अहोई अष्टमी इस वर्ष 13 अक्टूबर को मनाया जाएगा। इस दिन माताएं अपने बच्चों की लंबी आयु, अच्छे स्वास्थ्य व सुख-समृद्धि के लिए व्रत रखती हैं और अहोई माता की विधिविधान से पूजा करती हैं।

पूजा विधि व विधान

शारदा संस्कृत महाविद्यालय के आचार्य देवदत्त शास्त्री ने बताया कि व्रत रखने वाली महिलाएं प्रातः स्नान कर व्रत का संकल्प लेती हैं। घर की दीवार पर अहोई माता का चित्र बनाया जाता है या मिट्टी की आकृति स्थापित की जाती है। दिनभर निर्जल या फलाहार व्रत रखा जाता है। शाम के समय महिलाएं कथा सुनकर माता अहोई की पूजा करती हैं तथा तारों को देखकर जल अर्पित करती हैं।

श्रद्धा से की गई पूजा देती है शुभ फल

आचार्य देवदत्त शास्त्री ने बताया कि जो माताएं इस व्रत को पूर्ण श्रद्धा, नियम व आस्था से करती हैं, उनकी संतान पर अहोई माता की विशेष कृपा बनी रहती है। यह व्रत केवल संतान की रक्षा के लिए ही नहीं, बल्कि परिवार की समृद्धि व सुख-शांति के लिए भी अत्यंत शुभ माना गया है।

तिथि व शुभ मुहूर्त

अष्टमी तिथि प्रारंभ 13 अक्टूबर दोपहर 12:24 बजे।
अष्टमी तिथि समाप्तः 14 अक्टूबर सुबह 11:09 बजे।
तारों को अर्घ्य देने का समयः शाम 6:17 बजे तक

नारनौल से सुबह 6:40 मिनट पर रवाना होने वाली बस चलेगी सुबह सात बजे

चंडीगढ़ से एनएच 152 डी होकर नारनौल आने वाली बसों के समय में हुआ बदलाव

रेवाड़ी डिपो की नई बस का संचालन होने के चलते परिवहन विभाग की ओर से समयसारणी में किया बदलाव

बताया जा रहा है कि रेवाड़ी डिपो की ओर से वाया एनएच 152 डी होते हुए दो नई बसों का संचालन शुरू किया है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

परिवहन विभाग की ओर से चंडीगढ़ से वाया नेशनल हाईवे 152 डी होते हुए नारनौल आने वाली रोडवेज बसों की समय सारणी में बदलाव किया गया है। इसके अलावा अंबाला डिपो की रोडवेज बस नारनौल बस स्टैंड से सुबह 6:40 मिनट पर चलने वाली रोडवेज बस अब सुबह सात बजे रवाना होगी। बताया जा रहा है कि रेवाड़ी डिपो की ओर से वाया एनएच 152 डी होते हुए दो नई बसों का संचालन शुरू किया है। ऐसे में परिवहन विभाग की ओर से चंडीगढ़ की समय सारणी में बदलाव किया गया।

नारनौल। बस स्टैंड परिसर। फोटो : हरिभूमि

चार घंटे में आसानी से चंडीगढ़ पहुंच रहे यात्री

बता दें कि नारनौल से चंडीगढ़ 152-डी ग्रीन कॉरिडोर पर विभिन्न डिपो की ओर से बसों का संचालन किया जा रहा है, जिसमें नारनौल, चंडीगढ़, अंबाला, दादरी, कुरुक्षेत्र व यमुनानगर डिपो शामिल हैं। 152 डी ग्रीन कॉरिडोर से बसों का संचालन शुरू होने के बाद जिला कुरुक्षेत्र, कैथल, करनाल, जींद, रोहतक, भिवानी, चरखी दादरी व महेंद्रगढ़ जिले के यात्रियों को लाभ मिल रहा हैं। महेंद्रगढ़, दादरी, रोहतक से चंडीगढ़ रोडवेज बस में 410 रुपये किराया लगता है तथा महेंद्रगढ़ से 152 ग्रीन कॉरिडोर से रोडवेज बस में 370 रुपये किराया लगता है। ग्रीन कॉरिडोर 152 डिपो पर बसों का संचालन शुरू होने के बाद यात्रियों के समय में बचत होने के साथ-साथ जेब का भार भी कम हुआ है। पहले जिले के यात्रियों को स्टेट हाईवे 148 बी से चंडीगढ़ जाने में आठ घंटे का समय लगता था। वहीं अब जिले के यात्री चार घंटे में आसानी से चंडीगढ़ पहुंच रहे है।

महेंद्रगढ़ होकर चंडीगढ़ जाने वाली बसों की समय सारणी

डिपो	नारनौल का समय	महेंद्रगढ़ का समय
नारनौल	सुबह 4:00 बजे	सुबह 4:30 बजे
नारनौल	सुबह 6 बजे	सुबह 6:35 बजे
नारनौल	सुबह 8 बजे	सुबह 8:30 बजे
दादरी	सुबह 9 बजे	सुबह 9:30 बजे
नारनौल	सुबह 10 बजे	सुबह 10:30 बजे
यमुनानगर	सुबह 11 बजे	सुबह 11:30 बजे
कुरुक्षेत्र	सुबह 12 बजे	दोपहर 12:30 बजे
नारनौल	दोपहर 2:15 बजे	दोपहर 3 बजे
नारनौल	शाम 4 बजे	शाम 4:30 बजे
दादरी	सायं 6:30 बजे	शाम 7 बजे

एनएच 152-डी ग्रीन कोरिडोर होते हुए चंडीगढ़ जाने वाली बसें

डिपो	नारनौल से चलने का समय
चंडीगढ़	सुबह 5:00 बजे
अंबाला	सुबह 7:00 बजे
चंडीगढ़	शाम 5.30 बजे

चंडीगढ़ से नारनौल आने वाली बसों की समय सारणी

- सुबह 5 :10 बजे नारनौल (दादरी डिपो)।
- सुबह 5 :40 बजे नारनौल वाया- महेन्द्रगढ़।
- सुबह 6 :20 बजे नारनौल (दादरी डिपो)।
- सुबह 7 :00 बजे नारनौल वॉल्वो लक्सरी बस।
- सुबह 8 :00 बजे जयपुर वाया नारनौल एसी बस।
- सुबह 8 :40 बजे नारनौल (अम्बाला डिपो)।
- सुबह 9 :20 बजे जयपुर (सीटीयू)।
- सुबह 10 :00 बजे नारनौल (सीटीयू)।
- सुबह 10 :20 बजे भिवानी (सीटीयू)।
- सुबह 10 :40 बजे जींद (जींद डिपो)।
- सुबह 11 :00 बजे नारनौल (दादरी डिपो)
- सुबह 11 :50 बजे नारनौल वाया महेन्द्रगढ़।
- दोपहर 01 :00 बजे नारनौल एसी बस (अम्बाला डिपो)
- दोपहर 01 :30 बजे भिवानी एसी बस (भिवानी डिपो)
- दोपहर 02 :00 बजे नारनौल (दादरी डिपो)
- दोपहर 03 :00 बजे नारनौल वाया- महेन्द्रगढ़।
- शाम 04 :00 बजे नारनौल (चंडीगढ़ डिपो)
- शाम 05 :00 बजे नारनौल एसी बस वाया महेन्द्रगढ़।
- शाम 06 :00 बजे नारनौल वाया महेन्द्रगढ़।

नारनौल। क्षतिग्रस्त बाइक। फोटो : हरिभूमि

स्कॉर्पियों ने बाइक को मारी टक्कर पचास वर्षीय व्यक्ति की जान गई

एसपी आवास के समीप शनिवार की रात हुआ हादसा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

शहर के महेंद्रगढ़ रोड स्थित एसपी आवास के समीप शनिवार की देर रात एक स्कॉर्पियों ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद स्कॉर्पियो के ड्राइवर ने बाइक सवार राजू सैनी को कुचल भी दिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान मोहल्ला पुरानी सराय निवासी करीब 50 वर्षीय राजू सैनी के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए नागरिक अस्पताल में रखवा दिया। रविवार को पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया।

मोहल्ला पुरानी सराय निवासी करीब 50 वर्षीय राजू सैनी शनिवार रात को करीब साढ़े 9 बजे बाइक पर सवार होकर हाउसिंग बोर्ड से अपने घर आ रहा था। जब वह एसपी आवास के सामने पहुंचा, तो एक स्कॉर्पियो के ड्राइवर ने तेज रफ्तार से उसकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद स्कॉर्पियो के ड्राइवर ने बाइक सवार राजू सैनी को कुचल भी दिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद कार का ड्राइवर गाड़ी के अंदर ही बैठा रहा। लोगों ने भागने नहीं दिया। जिसके बाद पुलिस ने गाड़ी को कब्जे में लिया तथा ड्राइवर को भी पकड़ लिया। ड्राइवर रेवाड़ी रोड कैलाश नगर निवासी बताया जा रहा है। मृतक राजू सैनी महावीर चौक के पास ही सब्जी बेचने का काम करता है। उसके दो लड़के हैं।

नारनौल। बैठक में मौजूद शिवसेना कार्यकर्ता। फोटो : हरिभूमि

विपिन आर्य बने शिवसेना के प्रदेश उपप्रमुख

नारनौल। शिवसेना हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष नीरज शेट्टी ने मुंबई से घोषणा पत्र लाकर पदाधिकारियों को दिए। जिसमें हरियाणा प्रदेश उपप्रमुख का पद का पत्र विपिन आर्य को दिया। विपिन आर्य ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, कैप्टन अभिजीत राष्ट्रीय सचिव व हरियाणा प्रमुख नीरज शेट्टी का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि पार्टी के विश्वास पर खरा उतरेंगे। उन्होंने कहा कि शिवसेना परिवार को आगे बढ़ाया जाएगा।

20 को प्रदोष और अर्धरात्रि व्यापिनी अमावस्या में मनाई जाएगी दीपावली

अमावस्या तिथि 20 अक्टूबर को शाम 3:47 पर शुरू होगी और 21 अक्टूबर को शाम 5:55 तक रहेगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

दीपावली हिन्दुओं का सबसे बड़ा और विशेष त्योहार है, जिसको बड़े ही हर्ष उल्लास के साथ हर साल कार्तिक माह की अमावस्या को मनाया जाता है। अबकी बार लोगों के मन में संशय और असमंजस की स्थिति बनी हुई है कि दीपावली कब मनाए।

ज्योतिषाचार्य पंडित राहुल भारद्वाज गढ़ी ने बताया कि पंचांग अनुसार अमावस्या तिथि 20 अक्टूबर को शाम 3:47 पर शुरू होगी और 21 अक्टूबर को शाम 5:55 तक रहेगी। 20 अक्टूबर को अमावस्या प्रदोष काल व रात्रि काल में भी रहेगी। जो 21 को नहीं रहेगी। दीपावली को लक्ष्मी पूजन के लिए प्रदोषव्यापिनी और अर्धरात्रि व्यापिनी में अमावस्या रहना आवश्यक है। वहीं अगर हम लोकाचार की बात करे तो अहोई अष्टमी का व्रत जिस वार का होता है। उसी वार को दीपावली मनाई जाती है। अहोई अष्टमी का व्रत 13 अक्टूबर सोमवार को रहेगा। 20 अक्टूबर को भी सोमवार है। इन सभी बातों के आधार पर 20 अक्टूबर को दीपावली मनाना लक्ष्मी पूजन करना शास्त्रसम्मत और सर्वश्रेष्ठ है। इसी दिन सभी एक मत होकर दीपावली मनाए। इस दिन मां लक्ष्मी, गणेश जी और कुबेर की पूरी विधि विधान से पूजा की जाती है। ऐसा करने से घर में सुख समृद्धि बनी रही है और दरिद्रता का नाश होता है। मान्यताओं के अनुसार भगवान श्री रामचंद्र लंका पर विजय प्राप्त करके रावण का वध करके लौटे तो अयोध्यावासियों ने उनके स्वागत में दीपोत्सव कर के दीपावली त्योहार मनाया था।

महालक्ष्मी पूजा का शुभ मुहूर्त

ज्योतिषाचार्य पंडित राहुल भारद्वाज गढ़ी ने बताया की लक्ष्मी पूजन के लिए प्रदोष काल और स्थिर लग्न वृष और सिंह लग्न का समय सबसे उत्तम होता। इन लग्नो के समय में की गई पूजा हमेशा सफल होती है और धन, ऐश्वर्य, सुख समृद्धि, आरोग्य की प्राप्ति करवाती है।

दीपावली पूजन का पहला मुहूर्त

- प्रदोष काल :शाम 5 :50 से रात्रि 8 :23 तक।
- वृष लग्न-शाम 7 :21 से रात्रि 9 :17 तक।
- सिंह लग्न-रात्रि 1:52 से सुबह 4 :09 तक रहेगा।

दिन में फैक्ट्री,दुकान आदि में पूजन के लिए चौघड़िया अनुसार शुभ मुहूर्त

- अमृत सुबह :6 :30 से सुबह 7 :55 तक।
- शुभ-सुबह 9 :20 से सुबह 10 :30 तक।
- चर-दोपहर 1:35 से दोपहर 2 :59 तक।
- लाभ दोपहर 2 :59 से शाम 4 :25 तक।
- अभिजीत मुहूर्त : दोपहर 11 :47 से दोपहर 12 :33 तक।

21 अक्टूबर को पितृ कार्य अमावस्या

21 अक्टूबर को पितृकार्य निमित अमावस्या रहेगी। इस दिन अपने पितरों के लिए पिंडदान, तर्पण और दान करे। दक्षिण दिशा में मुख करके पितरों के नाम का दीपक जलाएं, पीपल के पेड़ पर जल, दूध और तिल चढ़ाएं और ब्राह्मणों को भोजन कराकर दान-पुण्य करें।

कचरे का निस्तारण होने के कारण डपिंग यार्ड में लगे कूड़े के पहाड़

डंपिंग यार्ड में पड़ा है अभी 12 हजार मिट्रिक टन कचरा

कनीना नगर पालिका डंपिंग यार्ड का कूड़ा होगा री-साइकिल, 56 लाख रुपये की आएगी लागत

हरिभूमि न्यूज ⏭ कनीना

नगर पालिका डंपिंग यार्ड में पड़े कचरे से फैल रही गंदगी व दुर्गंध से जल्द ही लोगों को राहत मिलेगी। नगर पालिका ने सिहोर रोड स्थित डंपिंग यार्ड में पड़े लगभग 12 हजार मिट्रिक टन कचरे के निस्तारण के लिए 56 लाख रुपये का टेंडर जारी किया है। दिसंबर माह तक पूरा कचरा री-साइकल कर यार्ड को साफ करने का लक्ष्य रखा गया है।

बता दें कि जनवरी माह में नगर पालिका ने डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन की व्यवस्था शुरू की थी, लेकिन पिछले आठ माह से कचरे का कोई निस्तारण नहीं हुआ। कस्बे से प्रतिदिन करीब सात टन गीला और सूखा कचरा निकलता है। नगर पालिका की ओर से कस्बे में डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन किया जाता है तथा सारा कचरा सिहोर रोड स्थित डंपिंग यार्ड में एकत्रित किया जाता रहा है।

कनीना। कचरा संयंत्र मशीन का अवलोकन करती नपा चेयरपर्सन डॉ. रिम्पी लोढ़ा। फोटो : हरिभूमि

नए टेंडर जारी करने का निर्णय

लंबे समय से कचरे के निस्तारण न होने के कारण यार्ड में कचरे के पहाड़ लग गए थे। इससे न केवल बदबू फैल रही थी, बल्कि डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन करने वाले वाहन चालकों को भी कचरा डालने में भारी परेशानी होती थी। अब नगर पालिका ने पुराने कचरे के निस्तारण के बाद नए टेंडर जारी करने का निर्णय लिया है। इसके तहत प्रतिदिन निकलने वाले कचरे को रिसाइकल किया जाएगा, ताकि भविष्य में फिर से कूड़े का ढेर न लगे। अधिकारियों के अनुसार दिसंबर माह तक डंपिंग यार्ड को पूरी तरह से साफ कर दिया जाएगा। इसके बाद नियमित रूप से कचरे के री-साइक्लिंग की व्यवस्था लागू कर दी जाएगी।

अलग-अलग कूड़ा डालने के लिए किया जा रहा है जागरूक

दीपावली के त्योहार पर स्वच्छता अभियान के तहत नगर पालिका प्रशासन की ओर से स्वच्छ व स्वस्थ हरियाणा को लेकर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। दुकानदारों को भी अतिक्रमण न करने की हिदायत दी गई है। नपा चेयरपर्सन डॉ. रिम्पी लोढ़ा व सचिव कपिल कुमार ने बताया कि सभी 14 वार्डों में सफाई करने के साथ-साथ नगरवासियों को गीले व सूखे कचरे को अलग-अलग डस्टबिन में डालने के लिए जागरूक भी किया जा रहा है। वहीं स्वच्छता बनी रहती है और कचरा आसानी से निस्तारण की ओर तैयार हो जाता है। उन्होंने नगर वासियों को नीले रंग के डस्टबिन में सूखा कचरा डालने व हरे रंग के डस्टबिन में गीला कचरा डालने के बारे में बताया गया। सफाई व्यवस्था प्रभावित होने से मच्छर जनित बीमारियों के पनपने का अंदेशा रहता है।

दिवाली पर्व

हरियाणा प्रदेश में दिवाली पर्व को विशेष रूप से कृषि से जोड़कर देखा जाता है। किसान अच्छी फसल के लिए माता लक्ष्मी की पूजा करते हैं। यहाँ गोवर्धन पूजा का महत्व भी होता है, जिसमें किसान अपने पशुओं को सजाते हैं और उनकी पूजा करते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में लोग दीयों से अपने खेतों और घरों को रोशन करते हैं।

परंपरा और विश्वास का लोकपर्व है अहोई अष्टमी

हरियाणा एक ऐसा प्रदेश है जहां त्योहार केवल रस्म नहीं होते, बल्कि सामाजिक तालमेल और खुशियों का प्रतीक भी होते हैं। माताएँ अपनी संतान की दीर्घायु के लिए अहोई माता का व्रत रखती हैं। हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के ग्रामीण अंचलों में "होई माता" की कथा और पारंपरिक चित्रांकन का विशेष महत्व है।

पर्व

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

हरियाणा अपनी संस्कृति, परंपराओं और त्योहारों के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ की मिट्टी में मेहनत, वीरता और अपनेपन के साथ-साथ अतीत से ही सांस्कृतिक सुगंध भी बसी है। इसीलिए हरियाणा के लोग न केवल कृषि और खेलों में अग्रणी है बल्कि अपने धार्मिक और सांस्कृतिक त्योहारों को पूरे हर्षोल्लास से मनाने के लिए भी जाने जाते हैं। हरियाणा एक ऐसा प्रदेश है जहां त्योहार केवल रस्म नहीं होते, बल्कि सामाजिक तालमेल और खुशियों का प्रतीक भी होते हैं। लोग पारंपरिक लोक गीतों, नृत्यों और सादगी भरे रीति-रिवाज़ों से त्योहारों को जीवंत बना देते हैं।

यहाँ त्योहार केवल पूजा तक सीमित नहीं, बल्कि गाँवों में सामूहिक एकता, रिश्तों की मजबूती और परंपराओं की निरंतरता का प्रतीक हैं। इसके अलावा यह जानना रोचक होगा कि हरियाणा में हर त्योहार को मनाने के पीछे कुछ वैज्ञानिक, सामाजिक अथवा सांस्कृतिक कारण रहते हैं। फिर चाहे होली, दीवाली, गोवर्धन पूजा, बासोड़ा, शीतला अष्टमी, धुलेंडी, तीज, रक्षाबंधन, भाईदूज, करवा चौथ, नवरात्र, बसंत पंचमी हो या अहोई अष्टमी। गौरतलब है कि हरियाणवी संस्कृति में नारी जाति का विशेष सम्मान है। माँ, बहन और बेटी के रूप में नारी को शक्ति और सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। तीज, रक्षाबंधन, करवा चौथ जैसे अनेक पर्व स्त्रियों की श्रद्धा तथा विश्वास का प्रतीक हैं और उन्हीं में से एक है 'अहोई अष्टमी' अहोई अष्टमी कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाया जाने वाला त्योहार है जो दिवाली से लगभग 8 दिन पहले। सनातन पंचांग के अनुसार, यह तिथि करवा चौथ के ठीक चार दिन बाद और दिवाली से सात-आठ दिन पहले आती है।

अहोई अष्टमी मुख्यतः उत्तर भारत में बड़े श्रद्धाभाव से मनाई जाती है। यह पर्व विशेष रूप से हरियाणा, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, पंजाब, राजस्थान और बिहार में अत्यंत लोकप्रिय है, जहाँ माताएँ संतान की दीर्घायु के लिए अहोई माता का व्रत रखती हैं। हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के ग्रामीण अंचलों में "होई माता" की कथा और पारंपरिक चित्रांकन का विशेष महत्व है। मध्य प्रदेश और गुजरात में भी उत्तर भारतीय परिवारों के बीच यह परंपरा प्रचलित है। इसके अतिरिक्त महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ के कुछ क्षेत्रों में भी अहोई अष्टमी का व्रत किया जाता है। भारत के बाहर, फिजी, मॉरीशस, सूरीनाम, कनाडा, ब्रिटेन और अमेरिका जैसे देशों में बसे भारतीय समुदाय भी इस पर्व को उतनी ही आस्था से मनाते हैं। हरियाणा के साथ-साथ सम्पूर्ण भारत इस वर्ष की अहोई अष्टमी आज सोमवार 13 अक्टूबर 2025 (सोमवार) को मना रहा है।

इस दिन माताएँ व्रत रखती हैं और अहोई माता की पूजा करके अपने बच्चों की दीर्घायु, सुख-समृद्धि और स्वस्थ जीवन की कामना करती हैं। पावन भाव से व्रत करते हुए महिलाएं अपने घरों में बच्चों के लिए विशेष व्यंजन भी बनाती हैं। अहोई अष्टमी की सुबह महिलाएँ स्नान कर निर्जला व्रत आरंभ करती हैं और शाम को तारों के दर्शन के बाद ही व्रत खोलती हैं। माना जाता है कि अहोई माता की पूजा करने से संतान की रक्षा होती है और परिवार में सुख-शांति बनी रहती है। अहोई अष्टमी के दिन "अहोई कथा" सुनने की भी परंपरा है। शाम के समय गाँव की महिलाएँ एकत्र होकर अहोई माता की कथा का वाचन करती हैं। इस सन्दर्भ में प्रचलित लोक कथा के अनुसार, एक बार एक स्त्री जंगल में मिट्टी खोदने गई थी। अनजाने में उसके फावड़े से एक साही (या शेरनी के बच्चे) को चोट लग गई और वह मर गया। उस स्त्री को शाप मिला कि उसकी संतान जीवित नहीं रहेगी। दुःखी होकर जब उसने पश्चाताप किया, तो उसे बताया गया कि वह कार्तिक कृष्ण अष्टमी के दिन अहोई माता की पूजा करे। स्त्री ने श्रद्धा से व्रत रखा और माता की कृपा से उसे संतान सुख प्राप्त हुआ। तभी से यह व्रत अहोई अष्टमी के नाम से प्रसिद्ध हुआ। कथा के बाद सात बार "अहोई माता की जय" बोलकर माताएँ अपने बच्चों के नाम लेती हैं और माता से उनकी रक्षा और लंबी आयु की प्रार्थना करती हैं।

अहोई अष्टमी का पर्व बड़े श्रद्धा के साथ जनमानस को लोककला से जोड़ने का कार्य करता चला आ रहा है। हरियाणा के कई इलाकों में अहोई अष्टमी लोककला का भी सुंदर प्रदर्शन बन जाती है। इस दिन महिलाएँ अपने घरों में दीवार या कागज़ पर अहोई माता की आकृति बनाती हैं। यह चित्र गेरू, चावल के घोल या मिट्टी से पारंपरिक लोककला शैली में बनाया जाता है। चित्र में माता के साथ सात बिंदियाँ बनाई जाती हैं, जो सात संतान या सात पीढ़ियों का प्रतीक मानी जाती हैं। बाघ या साही का चित्र अहोई माता का वाहन दर्शाता है। महिलाएँ अहोई माता की आकृति पारंपरिक शैली में बनाती हैं, उसके आगे जकरी रखती हैं और चाँदी की "श्यो माता की माला" भी रखती हैं। घर में जितने बच्चे हों उतनी ही चांदी से बनी पत्तियाँ माला में डालकर इन पर पहनाई जाती हैं या यह माला विवाहित स्त्रियाँ संतान प्राप्ति की कामना से धारण करती हैं। मिट्टी की "जकरी" बनाई जाती है जिसे पूजा के बाद जलाशय में विसर्जित किया जाता है। हालांकि मिट्टी की "जकरी" का स्थान आजकल लगभग सब जगह धातु के बने छोटे कलश ने ले लिया है।

अहोई माता की आकृति पारंपरिक शैली में बने चित्र के आगे दो "जकरियाँ" रखी जाती हैं, एक में पानी और दूसरी में अनाज या भोजन सामग्री। पूजा के समय इन जकरियों में दीपक जलाकर माता की आराधना की जाती है, प्रसाद चढ़ाया जाता है और कथा सुनने के बाद सभी महिलाएँ एक-दूसरे को शुभकामनाएँ देती हैं। पूजा

> **हरियाणा की लोक परंपरा में "बाणा काढ़ना" भी अहोई अष्टमी के दिन की जाने वाली परम्पराओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। "बाणा" जिसमें महिलाएं इस दिन सास और ननद बहू को श्रृंगार सामग्री जैसे चूड़ियाँ, बिंदी, सिंदूर, मिठाई, कपड़े या नारियल भेंट करती हैं। यह प्रथा परिवार में प्रेम और अपनापन बढ़ाने का प्रतीक मानी जाती है। हरियाणा में यह कहावत प्रचलित है "सासू देवे बाणा, बहू राखे व्रत निभाणा।"**

के बाद इन्हें अहोई माता के आगे रखा जाता है और भाई दूज के दिन "पानी वाली जकरी" का जल घर में छिड़का जाता है।

ऐसा माना जाता है कि इससे घर का वातावरण पवित्र रहता है और बच्चों की सुरक्षा होती है। इस परंपरा में हरियाणा के लोगों की आस्था और घरेलू संस्कारों की गहराई झलकती है। हरियाणा की लोक परंपरा में "बाणा काढ़ना" भी अहोई अष्टमी के दिन की जाने वाली परम्पराओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। "बाणा" जिसमें महिलाएं इस दिन सास और ननद बहू को श्रृंगार सामग्री जैसे चूड़ियाँ, बिंदी, सिंदूर, मिठाई, कपड़े या नारियल भेंट करती हैं। यह प्रथा परिवार में प्रेम और अपनापन बढ़ाने का प्रतीक मानी जाती है। हरियाणा में यह कहावत प्रचलित है "सासू देवे बाणा, बहू राखे व्रत निभाणा।" इससे परंपरागत ढंग से बड़ों के प्रति सम्मान की भावना का विकास भी होता है।

जन सामान्य से प्राप्त जानकारी के अनुसार हरियाणा के विभिन्न जिलों में अहोई अष्टमी की अपनी अलग-अलग लोक परंपराएँ हैं। रोहतक और झज्जर क्षेत्र में महिलाएँ अहोई माता का चित्र चाँदी के फ्रेम में रखकर पूजा करती हैं और "सात अनाज" जैसे गेहूँ, चावल, मूँग, सरसों, तिल, दालें और जौ का दान देती हैं। भिवानी और सिरसा में बच्चों के हाथ में सुई-धागा बंधवाने की परंपरा है, जो सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है। वहाँ पूजा के समय हलवा-पूरी का भोग लगाया जाता है और बाद में बच्चों को खिलाया जाता है। पानीपत, करनाल और कुरुक्षेत्र की महिलाएँ शाम को मंदिरों में एकत्र होकर सामूहिक रूप से आरती गाती हैं और इसे दीवाली की तैयारियों की शुरुआत मानती हैं। रेवाड़ी, गुरुग्राम और फरीदाबाद जैसे शहरी क्षेत्रों में अब प्रिंटेड या डिजिटल चित्रों से पूजा की जाती है, लेकिन भाव वही रहता है बच्चों की सुरक्षा और परिवार की समृद्धि की कामना।

इस अवसर पर पूजा के बाद महिलाएँ गरीबों या जरूरतमंदों को भोजन, कपड़े या अनाज दान करती हैं और बड़ों के चरण छूकर आशीर्वाद लेती हैं। कई जगहों पर महिलाएँ अपने आँगन में मिट्टी के बने छोटे-छोटे दीयों की कतार लगाती हैं जिन्हें "अहोई दीए" कहा जाता है। तारे निकलने के बाद माताएँ बच्चों के नाम लेकर तारों को अर्घ्य देती हैं। इस तरह अहोई अष्टमी हरियाणा में न केवल धार्मिक श्रद्धा का प्रतीक है, बल्कि परिवारिक एकता, स्त्री के त्याग और मातृत्व की भावनाओं का उत्सव भी है। यह पर्व पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलती आ रही उस संस्कृति का प्रमाण है, जिसमें स्त्री अपने परिवार के सुख और संतानों के कल्याण के लिए तप और भक्ति दोनों को समान भाव से निभाती है। अहोई माता की पूजा केवल एक व्रत नहीं, बल्कि प्रेम, आस्था और मातृत्व की अखंड परंपरा है जो हरियाणा की मिट्टी में आज भी उसी भाव से जीवित है।

संस्कृति | **रामबीर सिंह 'राम'**

लोकगीतों में 'कातक'

राम-राम! हरियाणवियों अथवा भारतीयों के लिए ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में बसे भारतवंशियों के लिए दिवाली का पावन पर्व का उल्लास, उत्साह और विश्वास उनके जीवन का अंग है। इसलिए दिवाली मनाने के बारे में कुछ कहना या लिखना बेमानी-सा प्रतीत होता है। इस पर भी उन हरियाणा के लोगों की बात करें जो अपने दिन की शुरुआत से लेकर किसी से अभिवादन तक 'राम' के अतिरिक्त किसी और शब्द को स्थान न देते हों तो थोड़ा और हैरानी की बात होगी। दरअसल, भारत में दीपावली केवल एक दिन का पर्व नहीं, बल्कि पांच दिन का उत्सव अर्थात 'पंचोत्सव' है, जो कार्तिक मास की त्रयोदशी तिथि से लेकर शुक्ल पक्ष की द्वितीया तक मनाया जाता है।

ऐसे में जब दिवाली को लेकर हम हरियाणा की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि देखते हैं तो वह आह्लादित कर देती है। जहाँ पूरा कार्तिक माह ही एक उत्सव प्रतीत होता है और इसे पवित्र और पुण्यदायी महीना माना जाता है। हरियाणा में कार्तिक के माह के लोकगीत प्रचलन में हैं। इन लोकगीतों की जड़ें उतनी ही गहरी हैं, जितनी उसकी कृषि परंपरा। जब कार्तिक का महीना आता है, तो गाँवों की सुबह सरोवरों की कलकल ध्वनि और लोकनारी के स्वर से गूंज उठती हैं। महिलाएं भोर में सूर्योदय से पूर्व सरोवरों में 'कातक न्हाण' यानि स्नान के लिए जाती हैं। 'कातक न्हाण' के लिए महिलाएँ प्रातःकाल मिट्टी के दीप जलाकर, हाथों में पूजन सामग्री लिए, समूहों में एकत्र होती हैं। उनके कंठ से फूटते हैं वे मधुर हरियाणवी गीत जो पीढ़ियों से विरासत बनकर चले आ रहे हैं। एक ऐसा सुप्रसिद्ध गीत देखिए .....

राम अर लछमण दशरथ के बेटे
दोन्यूं बणखंड जां,
हे जी कोई राम मिलै भगवान,
एक बण चाले दो बण चाले
तीजे में लग आई प्यास,
हे जी कोई राम मिलै भगवान,

इसी प्रकार एक और गीत में तुलसी पूजा पर देखें..

....तुलसां माता तैं सुख दाता
बिडला सीजूं तेरा
तैं कर निस्तारा मेरा
किरसन जी का कांधा दइओ
पीताम्बर की धोती दइओ
बैकुंठ का बासा दइओ
हो ज्या निस्तारा मेरा
बिडला सीजूं तेरा

ऐसा ही एक और लोकगीत देखें ....

सत की साथण पाणी नै चाली, या तुलसां गैल होली हो राम
भरण गई जल जमना की झारी हो राम
सत की साथण न्यू उठ बोली या तुलसां ओड कुवारी हो राम
भरण गई जल जमना की झारी हो राम

*कार्तिक स्नान पर ही एक गीत अद्भुत है जो आम जन-*जीवन की स्थितियां परिभाषित करता है ....

आओ राधा नहाण चलां, मेरे राम
म्हारा तो नहीं ए चलान,दूधां मैं रम रही मेरे राम।
दूधां का कैसा हे गमान,आवै बिलाई पी जावै हरे राम।

कातक के महीने के कुछ लोकगीत यहाँ उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किए हैं। ये केवल बानगी हैं। अन्यथा हरियाणवी लोकगीतों की सरिता निरंतर प्रवाहमयी है, जिसमें श्रद्धा के साथ-साथ गृहस्थ जीवन की सादगी और ग्रामीण स्त्री की भावनाओं का संगीत भी बहता है। ये गीत न केवल स्नान की विधि का अंग हैं, बल्कि लोकभक्ति, आस्था और सामाजिक एकता के जीवंत प्रतीक हैं, जिसमें कार्तिक न्हाण के गीत भी इसी भावधारा के प्रतीक हैं। इन गीतों में रामभक्ति और कृष्णभक्ति का माधुर्य, नदियों का पवित्र स्पर्श और खेत-खलिहान की गंध घुली है। जो हमारी गाँव की आत्मा, नारी की श्रद्धा और संस्कृति की निरंतरता के सजीव प्रमाण हैं।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

प्रकाश | **जब दिवाली की रात नै हजारां दीये जलैं सैं, तो वे सिर्फ अन्धेरे नै दूर कोनी करदे, बल्कि म्हारे मन म्ह उम्मीद जगावैं सैं**

दीया : म्हारी सनातन संस्कृति की अमर ज्योत

परंपरा | **जयदेव राठी भराण**

माट्टी के उस छोट्टे से दीये म्ह जो ज्योत जलैं सै, वा सिर्फ उजाला कोनी, बल्कि म्हारी सनातन संस्कृति की आत्मा सै। जब कोए दीया जलैं सै, तो वो सिर्फ अन्धेरे नै दूर कोनी करदा, बल्कि अपणे भित्तर के अज्ञान रूपी अन्धेरे नै भी मिटाण का संकल्प लेवै सै। यो साधारण सा दिखण आल्ला माट्टी का दीया म्हारी आस्था, बिश्वास अर आध्यात्मिकता का निशान सै।

माट्टी तै बण्या, माट्टी म्ह मिलण आल्ला

दीये की सबतै बड्डी खासियत यो सै के वो माट्टी तै बणै सै - उस्से पंचतत्व तै जिसतै यो दुनिया अर हम सारे बणे सां। कुम्हार अपणे हाथां तै जब माट्टी नै आकार देवै सै, तो वो सिर्फ एक बर्तन कोनी बणावै, बल्कि पूजा का एक पवित्तर साधन बणावै सै। यो दीया हाम्नै याद दिलावै सै के हम सारे माट्टी के बणे सां अर एक दिन माट्टी म्ह ए मिल जावांगे।

यो साधारणता म्ह असाधारणता का संदेश देवै सै। दीये की बणावट जितनी सीधी सै, उतना ए गहरा सै इसका दर्शन। चार मुंहा दीया हो या एक मुंहा, हरेक दीये म्ह तेल या घी भरया जावै सै अर बाती राक्खी जावै सै। जब यो दीया जलैं सै, तो इसकी लौ ऊपर कान्नी उठै सै - यो हाम्नै सिखावै सै के जिन्दगी म्ह हमेशा ऊपर उठण का, उन्नति का जतन करणा चाहिए।

आत्मा की लौ, ध्यात्मिक महत्त्व

सनातन धरम मै दीया आत्मा का प्रतीक होवै सै। जैसे दीया तेल, घी और बाती तै जलैं सै, उसे तरहैं आत्मा शरीर और करम तै चमकै सै। ध्यान लगावण मै दीया की लौ ठहरै सै और मन भी पूजा, यक्ष और ध्यान मै दीया जरूरी सै क्योंकि यो अंदर की ज्योत नै जगावै सै।सनातन परम्परा म्ह दीया का आध्यात्मिक महत्त्व घणा गहरा सै। दीये की ज्योत नै ब्रह्म का निशान मान्या जावै सै - वो परम उजाला जो सारे अन्धेरयां नै दूर करै सै। जब हम किसे देवता कै आग्गै दीया जलांवां सां, तो यो सिर्फ एक रस्म कोनी होवै, बल्कि यो म्हारी प्रार्थना होवै सै के 'हे प्रभु, जिसा यो दीया अन्धेरे नै दूर कर रह्या सै, उस्से तरहां ए मेरी जिन्दगी तै अज्ञान का अन्धेरा दूर करो'। दीये के विभिन्न अंग हामनै जिन्दगी की सीख देवैं सै। दीये का आधार म्हारी नींव सै - म्हारे संस्कार, म्हारी माट्टी। तेल या घी म्हारे करमां का निशान सै - बढ़िया सोच करम ए जिन्दगी रूपी दीये नै जल्लाएं राक्खैं सै। बाती म्हारा मन सै - जै मन साफ सै तो ज्योत स्थिर अर चमकदार रहवैगी। अर वा लौ वा म्हारी आत्मा सै, जो सदा ऊपर, परमात्मा की ओड़ उठण का जतन करै सै।

प्रकृति और परम्परा, समाज की बात

आज जैब बिजली का झाल्लर और प्लास्टिक का सजावट चालै सै, तो माटी का दीया जलाणा एक तरहैं तैं पर्यावरण बचावै और आत्मनिर्भरता का फैसला बन गया सै। दीया ना केवल प्रकृति नै बचावणै की जिम्मेदारी दिखावै सै, बल्कि गांम के कारीगरों के घर मै भी उजाला करै सै। हर एक रोजगार सै एक सम्मान सै। माटी का दीया गांम के कुम्हार की मेहनत का प्रतीक सै, जो शहर मै भी अपनी जगह बना ले सै। दीया एकता, अपनापन और लोक कला की पहचान सै।

दीया म्हारी सभ्यता का वाहक, आस्था का निशान

दीया सिर्फ माटी का बण्या एक छोटा पात्र कोनी सै, यो म्हारी सभ्यता का वाहक सै, म्हारी आस्था का निशान सै। म्हारी जिन्दगी दर्शन का मूर्त सै, जब हम एक दीया जलांवां सां तो हम अपणे भितर भी एक दीया जलांवां सां - ज्ञान का, प्रेम का और करुणा का। सनातन संस्कृति म्ह दीये का स्थान अमर सै।

यूगों तै यो म्हारे घरां म्ह, मन्दरां म्ह,
तीज - त्यौहारां म्ह उजाला फैला रह सै।
तमसो मा ज्योतिर्मिय ॥

दीया निराशा म्ह आशा का निशान सै। जब कोए माणस दुःख म्ह होवै सै, अन्धेरे तै घिरया होवै सै, तब एक दीया जलां कै हम उसनै संदेश देवां सां - अन्धेरा कितना भी घना हो, उजाले की जीत पक्की सै। योए संदेश सै म्हारी संस्कृति का - तमसो मा ज्योतिर्गमय - अन्धेरे तै उजाले की ओर चाल्लो।

जब दीवाली की रात नै हजारां दीये जलैं सैं, तो वे सिर्फ अन्धेरे नै दूर कोनी करदे, बल्कि म्हारे मन म्ह उम्मीद जगावैं सैं। वे कहवैं सैं के जिन्दगी म्ह कितनी भी मुश्किलां आवैं, हम मिलकै उननै दूर कर सकां सां। हरेक छोट्टा जतन महत्त्वपूर्ण सै, जिसा हरेक छोट्टा दीया अन्धेरे नै कम करण म्ह योगदान

> **दीया निराशा म्ह आशा का निशान सै। जब कोए माणस दुःख म्ह होवै सै, अन्धेरे तै घिरया होवै सै, तब एक दीया जलां कै हम उसनै संदेश देवां सां - अन्धेरा कितना भी घना हो, उजाले की जीत पक्की सै। योए संदेश सै म्हारी संस्कृति का - तमसो मा ज्योतिर्गमय - अन्धेरे तै उजाले की ओर चाल्लो।**

देवै सै। आण आली पीढ़ी जब दीया जलावै गी तो वे ना सिर्फ एक परम्परा का पालन करै गी बल्कि उस शाश्वत सच नै भी जिन्दा राख्गी उजाला ए जिन्दगी सै उजाला ए सच सै।

आओ हम सारे संकल्प लेवां के अपणी जिंदगी नै एक दीये की तरह बणावां जो खुद जलैं अर दूसरां नै भी उजाला दे जो विनम्रता तै माटी पै टिक्का हो सै पर जिसकी ज्योत आसमान की ओड उठै सै । जो अन्धेरे तै लडै अर सदा उजाले की जीत का संदेश दें।

दीपों ज्योति परब्रह्म, दीपो ज्योति जनार्दन : ।
दीपो हरतु मे पाप दीप ज्योतिनरमोस्तुते ॥

योए सै दीये की महिमा, योए सै उसका संदेश, जब ताहीं या दुनिया सै, दीये की ज्योत म्हारी जिंदगी नै उजाली करदी रहवै गी ।

सांस्कृतिक धरोहर वृद्ध केदार तीर्थ और ग्यारह रुद्री मंदिर

आस्था | **अंकुर शर्मा**

सरस्वती की पवित्र धारा से पोषित कैथल एक महाभारत कालीन ऐतिहासिक शहर है। इसे वेद, पुराण, महाभारत आदि पवित्र ग्रंथों की रचना स्थली होने का गौरव प्राप्त है। विद्वानों का मानना है कि जहां सरस्वती नदी के तट पर वेदों की ऋचाओं का सृजन हुआ; जहां कपिष्ठल गोत्रीय लोगों ने ही कपिष्ठल-कठ संहिता नामक ग्रन्थ की रचना की; जहां विश्व प्रसिद्ध गणितज्ञ वराह मिहिर ने भी अपनी शिक्षा यहां प्राप्त कर बृहत्सहिता जैसे श्रेष्ठ ग्रंथ की रचना की थी; वह कपिस्थल ही है। महाभारत, वामन पुराण, पाणिनी की अष्ठाध्यायी में कपिस्थल का उल्लेख मिलता है। चौथी शताब्दी ई.पू. के सम्राट चन्द्रगुप्त मौर्य के दरबार में यूनान के राजदूत रहे मैगस्थनीज ने अपनी पुस्तक इंडिका में इसे कबीस्थलो लिखा है। प्रसिद्ध विदेशी यात्री अल्बरूनी ने अपनी पुस्तक किताब-उल-हिन्द में कविताल नाम से इस का उल्लेख किया है। एक किवदन्ती के अनुसार यहां कपि अर्थात बन्दर अधिक पाए जाने के कारण इसे कपिस्थल कहा जाता था। यहां अंजनी माई का टीला है जिसे हनुमान जी का जन्म स्थान माना जाता है। इस प्रकार कपिस्थल, कपिष्ठल, कविताल ही अपभ्रंश होता हुआ आज का कैथल बना है।

कपिस्थल की पवित्रता और सांस्कृतिक समृद्धि का उल्लेख वामन पुराण और महाभारत में विस्तार से किया गया है। ऋग्वेद के तृतीय मण्डल 3/23/4 में सरस्वती की उपनदी आपगा नदी की स्थिति का उल्लेख किया गया है। जबकि वामन पुराण तथा महाभारत के वन पर्व में कैथल के पश्चिम में आपगा और मानुष तीर्थ स्थान है। जबकि ऋग्वेद प्रथम मंडल(1/23/4) में भी अपाय और मानुष का उल्लेख आता है। कुरुक्षेत्र की पवित्र 48 कोस में प्राप्त 134 तीर्थ स्थानों में से 50 तीर्थ सांस्कृतिक रूप से समृद्ध कैथल की परिधि में आते हैं। जिनमें पवनहृद तीर्थ, फल्गु तीर्थ, पवनेश्वर तीर्थ, कपिल मुनि तीर्थ, पुण्डरीक तीर्थ, कोटिकूट तीर्थ, वेदवती तीर्थ, वृद्ध केदार तीर्थ,

ग्यारह रुद्री तीर्थ, हव्य तीर्थ, रसमंगल तीर्थ, इक्षुमति तीर्थ, अरंतुक यक्ष, लवकुश तीर्थ, वामन तीर्थ, ऋणमोचन तीर्थ आदि प्रमुख हैं। इन पवित्र तीर्थों में से दो तीर्थ वृद्ध केदार और ग्यारह रुद्री कैथल शहर के मध्य स्थित हैं। जिनका बहुत महत्त्व माना जाता है।

कैथल से उत्तर पूर्व में स्थित वृद्ध केदार तीर्थ का बहुत प्रसिद्ध है। वामन पुराण 36वें अध्याय में बताया गया है कि अगर कोई व्यक्ति इस स्थान पर तर्पण करके भगवान शिव को प्रणाम करने के बाद तीन चल्लू पानी पिता है, वह केदार तीर्थ पर जाने का फल प्राप्त कर लेता है -

कपिलस्थेति विख्यातं सर्वपातकनाशनम्।
यस्मिन स्थितः स्वयं देवो वृद्धकेदारसंज्ञितः । (वामन पुराण, 36/14)

इसी प्रकार इस सन्दर्भ में महाभारत के वन पर्व में वर्णित है:

कपिष्ठलस्य केदारं समासाद्य सुदुर्लभम ।
अन्तर्धानमवाप्नोति तपसा दग्धकिल्विषम ।। (महाभारत, वन पर्व 83/74)

यहां एक शिव मन्दिर बना हुआ है जो अष्टकोणीय है। यहां बने सरोवर की बुजियां भी अष्टकोणीय आकार लिए हैं। वामन पुराण में ऐसा भी कहा गया है कि कपिस्थल नामक तीर्थ में वृद्ध केदार नामक भगवान स्वयं विराजमान हैं। इसी प्रकार कैथल के ही पश्चिम में दूसरा महाभारत काल से एक प्रसिद्ध पुण्यदायी तीर्थ स्थान एवं मंदिर है ग्यारह रूद्री । इस मन्दिर में ग्यारह रूद्रों की स्थापना की गई है। जिनके विषय में महाभारत में वर्णित उल्लेख के अनुसार ब्रह्मा जी के मानस पुत्र जो महान ऋषि थे मृगव्याध,

> **कैथल केवल मानचित्र पर एक शहर नहीं, बल्कि हरियाणा की आध्यात्मिक धड़कन है जहाँ हर शिलाखंड में इतिहास बोलता है और हर प्रार्थना में भक्ति की अनुगूँज सुनाई देती है। इस नगर के मंदिर और तीर्थ आज भी यह संदेश देते हैं कि संस्कृति तभी जीवित रहती है जब आस्था उसकी जड़ों में साँस लेती रहे।**

सूर्प, निऋति, विनाकी, अहिवुध, अजेकपाद दहन, ईश्वर, कपाली, स्थाणु और भव। महाभारत के आदिपर्व में लिखा है :-

एकादशसुताः स्थाणोः ख्याताः परमतेजसः।
मृगव्याधश्चसर्पश्च निऋतिश्चमहायशाः।
अजैकपादहिर्बुधन्यः पिनाकी च परंतप।
दहनोथेश्वरश्चैव कपाली च महाधुनिः।
स्थाणुर्मगश्च भगवान रूद्रा एकादशस्मृताः। (महाभारत, आदि पर्व 66/1-3)

ये एकादश ही रूद्रों के रूप में प्रसिद्ध हुए हैं। इस मन्दिर में जलहरी में ग्यारह रूद्र स्थापित किए गए हैं। मन्दिर के दक्षिण में सर्वदेव नामक तीर्थ है। जिसे सकलसर भी कहा गया है।

कैथल के तीर्थों और मंदिरों के बारे में इस संक्षिप्त आलेख में तो यही कहा जा सकता कि कैथल के मंदिरों और तीर्थस्थलों का महत्त्व केवल आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि यह नगर की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहचान से जुड़ा हुआ है। यहाँ का प्रत्येक मंदिर भगवान हनुमान का प्रसिद्ध अन्नपूर्णा मंदिर हो या श्री राधा-कृष्ण का शांतिमय धाम, जनमानस की श्रद्धा और परंपरा का जीवंत प्रतीक है। इन तीर्थों के दर्शन से न केवल धार्मिक संतोष मिलता है, बल्कि यह नगर के गौरवशाली अतीत की झलक भी प्रदान करते हैं। कैथल की भूमि स्वयं महाभारतकालीन

स्मृतियों से ओतप्रोत है, जहाँ धर्म, वीरता और भक्ति एक साथ प्रवाहित होते हैं। यहाँ के मंदिरों में गूंजती आरती, साधु-संतों के प्रवचन और तीर्थयात्रियों का आगमन नगर को निरंतर पावन ऊर्जा से भर देता है। यही कारण है कि कैथल केवल मानचित्र पर एक शहर नहीं, बल्कि हरियाणा की आध्यात्मिक धड़कन है जहाँ हर शिलाखंड में इतिहास बोलता है और हर प्रार्थना में भक्ति की अनुगूँज सुनाई देती है। इस नगर के मंदिर और तीर्थ आज भी यह संदेश देते हैं कि संस्कृति तभी जीवित रहती है जब आस्था उसकी जड़ों में साँस लेती रहे।

खबर संक्षेप

कनीना। जवाहरलाल नेहरू कैनाल पर क्षतिग्रस्त पुलिया। फोटो : हरिभूमि

नहरी पुलिया को ठीक करवाने की मांग

कनीना। जवाहरलाल नेहरू कैनाल पर खरकड़ाबास से धनौंदा जाने वाले मार्ग पर बने नहरी पुलिया की सेफ्टी दीवार टूटने से कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। यह मार्ग खेड़ी, तलवाना, धनौदा आदि गांवों को महेंद्रगढ़ को जोड़ने का आसान मार्ग है। जहां से बड़ी संख्या में वाहन गुजरते हैं। यह नहरी पुलिया शंकरा है और इसकी सेफ्टी दीवार भी टूटी हुई है। जिससे कभी भी कोई वाहन नहर में गिर सकता है। ग्रामीण दिनेश कुमार, सुरेश कुमार, इंद्रलाल, राजसिंह, कृष्ण कुमार, शेरसिंह, विजय सिंह आदि ने दीवार के तत्काल मरम्मत की मांग की है।

मंडी अटेली। रक्तदान शिविर में भाग लेते हुए युवा। फोटो : हरिभूमि

शिविर में 38 यूनिट रक्त एकत्रित

मंडी अटेली। गांव दौगड़ा अहीर के सीताराम मंदिर में छठे स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ संत महाबीर दास महाराज ने किया। इस शिविर में 38 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। इस अवसर पर ग्रामीण व युवाओं के अलावा सामाजिक कार्यकर्ताओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। शक्ति सिंह ने बताया कि रक्तदान से शरीर में किसी भी प्रकार की कोई कमजोरी नहीं आती है। हर स्वस्थ व्यक्ति को वर्ष भर में दो से चार बार रक्तदान करना चाहिए। रक्त ही एकमात्र ऐसा पदार्थ है, जिसका निर्माण किसी फैक्ट्री में नहीं किया जा सकता। केवल स्वैच्छिक रक्तदाताओं के रक्तदान करने से ही रक्त की कमी पूरी की जा सकती है।

52 करोड़ की लागत से तैयार हो रही परियोजना, अंतिम छोर तक पहुंचेगा नहरी

खेड़की में 250 एकड़ में कच्ची वाटर बॉडी निर्माण कार्य का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

विधायक कंवर सिंह यादव ने गांव खेड़की में 250 एकड़ में कच्ची वाटर बॉडी निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। क्षेत्र के किसानों को नहरी पानी की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बन रहे एनबी-6 पंप हाउस का विधायक कंवर सिंह यादव ने निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने कार्य की प्रगति को बारीकी से देखा और अधिकारियों से विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि यह परियोजना क्षेत्र के किसानों के लिए मील का पत्थर साबित होगी, क्योंकि इसके पूरा होने के बाद नहर का पानी अंतिम छोर तक पहुंच सकेगा। इस परियोजना पर लगभग 52 करोड़ रुपये की लागत से काम किया जा रहा है। योजना के तहत 10 नए पंप हाउस का निर्माण किया जा रहा है, जिससे पंप हाउस की क्षमता में वृद्धि होगी। इसके साथ ही लगभग नौ करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक पंप मशीनें लगाई जाएंगी, ताकि पानी की सप्लाई बिना रुकावट और तेज गति से हो सके। इसके अलावा नहर की लाइनिंग और ब्रिज निर्माण भी इस

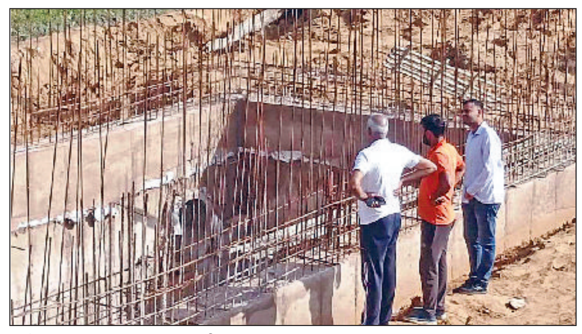

महेंद्रगढ़। पंप हाउस का निरीक्षण करते विधायक। फोटो : हरिभूमि

प्रोजेक्ट का अहम हिस्सा है।

नहर की लाइनिंग से रिसाव में कमी आएगी और पानी का बेहतर प्रबंधन हो सकेगा। पुलों के निर्माण से क्षेत्र के किसानों की आवाजाही में भी आसानी होगी। निरीक्षण के दौरान विधायक ने अधिकारियों को गुणवत्ता से समझौता न करने और तय समय सीमा में कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों को मजबूत सिंचाई ढांचा उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयासरत है।

इस परियोजना के पूरा होने से क्षेत्र के हजारों एकड़ में फैली खेती को लाभ मिलेगा। विधायक कंवर सिंह यादव ने कहा कि किसानों को सिंचाई के लिए पानी की कमी न हो, इसके लिए सरकार ने बड़ी योजनाएं बनाई हैं।

कृषि उत्पादन में होगी बढ़ोतरी

इस प्रोजेक्ट से आसपास के गांवों में कृषि उत्पादन में बढ़ोतरी होगी, जिससे किसानों की आय में भी इजाफा होगा। ग्रामीणों ने विधायक का धन्यवाद करते हुए कहा कि इस परियोजना से क्षेत्र में सालों पुरानी सिंचाई की समस्या का स्थायी समाधान होगा। प्रोजेक्ट के पूरा होने पर लगभग 15 से 20 गांवों को इसका सीधा फायदा मिलेगा। भूजल स्तर में काफी सुधार आएगा। इस मौके पर सिचाई विभाग एक्सईन संदीप कुमार, एक्सईन आशुतोष, एसडीओ राजेश वर्मा, नागल सिरोही मंडल महामंत्री राजेश कुमार, बिरेन्द्र, बाबूलाल, अशोक, बद्री प्रसाद, जगदेव आदि मौजूद रहे।

महेंद्रगढ़। सिंचाई विभाग के अधिकारियों व लोगों के साथ कार्य शुरू करवाते संदीप मालड़ा। फोटो : हरिभूमि

नहरी नेटवर्क से जोड़ने का कार्य शुरू

महेंद्रगढ़। गांव बवाना में बणी में जोहड़ खोदकर नहरी नेटवर्क से जोड़ने का कार्य प्रारंभ हो गया है। इस बारे में अधिक जानकरी देते हुए विकास एवं निगरानी समिति सदस्य संदीप मालड़ा ने बताया कि गांव बवाना की पथरोड़ी बणी में लगभग एक एकड़ में जोहड़ खोदकर बवाना माइनर से जोड़ने का कार्य शुरू हो गया है। यहां जोहड़ खोदकर नहरी नेटवर्क से पाइप लाइन के माध्यम से जोड़ा जा रहा है। पानी भरने से यहां भूजल रीचार्ज में लाभ होगा, जिससे किसानों की लागत भी घटेगी तथा पैदावार भी बढ़ेगी। संदीप मालड़ा ने बताया कि गांव की पंचायत के निवेदन पर सांसद धर्मबीर सिंह ने इस प्रोजेक्ट को सिरे चढ़ाने के सिंचाई विभाग के अधिकारियो को पत्र लिखा था जिसमें इस कार्य को जल्द-से-जल्द पूरा करने बारे लिखा था। केन्द्र एवं हरियाणा सरकार का ध्येय है कि किसान की लागत घटाने के साथ-साथ उसकी पैदावार बढ़ाई जाए जिससे किसान की आर्थिक स्थिति में सुधार हो सके और देश का विकास हो सके। इसी कड़ी में इस प्रकार के भूजल रीचार्ज के प्रोजेक्ट किए जा रहे हैं। इस कार्य के शुरू होने पर गांव बवाना एवं मालड़ा की पंचायत ने सांसद धर्मबीर सिंह, विधायक कंवर सिंह एवं सरकार का आभार व्यक्त किया है।

कनीना। एसडी विद्यालय ककराला में बैठक में भाग लेते अभिभावक। फोटो : हरिभूमि

एसडी विद्यालय ककराला में पीटीएम का आयोजन

- अभिभावकों ने बच्चों की प्रगति रिपोर्ट को देखा तथा अध्यापक को अपने सुझाव दिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

एसडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ककराला में रविवार को अध्यापक अभिभावक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें 1128 अभिभावकों ने पहुंचकर छात्रों के प्रति अपनी जिम्मेदारियों व छात्र अभिभावक बैठक के महत्व को समझते हुए उनकी प्रगति रिपोर्ट को देखा तथा अपने सुझाव दिए।

सभी अभिभावकों ने अपनी व्यस्तता के बीच अपने बच्चों के भविष्य के लिए विद्यालय प्रबंधन व सभी संबधित अध्यापकों के साथ विचार विमर्श किया। सभी अभिभावकों ने अपने बच्चों की दिनचर्या, उनके व्यवहार, समय सारणी, रुचि आदि से संबधित पहलुओं से प्रबंधन व संबधित अध्यापकों से परिचित करवाया।

विद्यालय चेयरमैन जगदेव यादव ने अध्यापक अभिभावक बैठक के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि हम अपने आपको गौरवशाली समझते हैं कि अभिभावक इतने जागरूक है कि बैठक के महत्व को समझते हैं तथा छात्र के भविष्य निर्माण में विद्यालय प्रबंधन के साथ महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह बैठक केवल छात्र के केवल शैक्षणिक पक्ष की जानकारी के लिए नहीं, बल्कि छात्र के सम्पूर्ण व्यवहार, रूचियों से संबधित बातों के आदान प्रदान के लिए आयोजित की जाती है। उन्होनें कहा कि शिक्षण एक त्रिआयामी प्रक्रिया है। ये तीन पक्ष है अध्यापक, अभिभावक व विद्यार्थी। इनमें से कोई दो अक्सर साथ रहते हैं, लेकिन तीनों एक साथ इस प्रकार के आयोजनों में ही होते हैं। जिसका प्रमुख केन्द्र बिंदु छात्र ही होता है। उन्होंने सभी अभिभावकों का धन्यवाद किया, जिन्होंने अपना कीमती समय अपने बच्चों के भविष्य निर्माण के लिए निकालकर बैठक की शोभा बढ़ाई।

राधा कृष्ण संगठन ने 143वीं प्रभातफेरी निकाली

ढोल-मंजीरे और राधे-राधे के मधुर जयकारों से वातावरण गूंज उठा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

शहर की प्रसिद्ध भक्ति संस्था राधा कृष्ण प्रभात फेरी संगठन के तत्वावधान में रविवार को 143वीं प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। यह प्रभातफेरी हुडा सेक्टर से प्रारंभ हुई। जिसमें यजमान मनीष गर्ग पुत्र मोहनलाल गर्ग ने परिवार था। ढोल मंजीरे, मर्दंग और राधे-राधे के मधुर जयकारों से वातावरण गूंज उठा। ठाकुर जी की आरती के पश्चात सभी भक्तों को चंदन तिलक लगाकर प्रभातफेरी का शुभारंभ किया गया।

सैकड़ों की संख्या में महिलाएं, पुरुष, बच्चे और नौजवान भक्ति भाव में झूमते हुए राधे राधे नाम का संकीर्तन करते रहे। राधा नाम के इस

नारनौल। शहर में प्रभात फेरी निकालते श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

महामंत्र से पूरा शहर भक्ति व आनंद के रंग में रंग गया। महिलाओं ने नृत्य प्रस्तुत कर ठाकुर जी को रिझाया। वहीं भक्तजन रथ के संग मंजीरे बजाते हुए भक्ति के सागर में डूबे रहे। गलियों में लोगों ने घरों से बाहर आकर फूलों की वर्षा कर प्रभातफेरी का स्वागत किया। हर ओर श्रद्धा, प्रेम व शांति का वातावरण व्याप्त हो गया। मानो नारनौल की गलियां बरसाना व वृंदावन के पावन स्वरूप में बदल गई हो। अंत में सनातन धर्म के जयकारों के साथ प्रभात फेरी का समापन किया गया।

शरबती स्कूल में हुई अभिभावक-शिक्षक बैठक

- बच्चों की शैक्षणिक और समग्र प्रगति के बारे में विस्तृत जानकारी साझा की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

गोशाला रोड स्थित शरबती सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल में अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन किया। अभिभावकों ने इसमें उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिससे स्कूल और अभिभावकों के बीच एक मजबूत संवाद स्थापित हुआ। स्कूल प्रबंधन ने बच्चों की शैक्षणिक और समग्र प्रगति के बारे में विस्तृत जानकारी साझा की, जिसे अभिभावकों ने खूब सराहा।

प्राचार्य बिक्रम सिंह ने बताया कि इस पीटीएम का मुख्य उद्देश्य अभिभावकों को उनके बच्चों की

महेंद्रगढ़। पीटीएम में भाग लेते अभिभावक एवं टीचर्स। फोटो : हरिभूमि

शैक्षणिक प्रगति, व्यवहार, अतिरिक्त गतिविधियों में भागीदारी और समग्र विकास के बारे में जागरूक करना था।

स्कूल के शिक्षकों ने प्रत्येक छात्र की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गई, जिसमें उनकी कक्षा में प्रदर्शन, परीक्षा परिणाम, प्रोजेक्ट कार्य और स्कूल की गतिविधियों में उनकी भागीदारी शामिल थी। शिक्षकों ने अभिभावकों को उन क्षेत्रों के बारे में भी बताया, जहां उनके बच्चे और बेहतर कर सकते हैं। कार्यक्रम में चेयरमैन मेजर डॉ. सूरत सिंह, प्राचार्य बिक्रम सिंह, दीपक यादव और समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं व अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

चेयरमैन मेजर डॉ. सूरत सिंह ने अपने संबोधन में स्कूल की शैक्षिक उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा शरबती सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल का लक्ष्य न केवल बच्चों को अकादमिक रूप से उत्कृष्ट बनाना है, बल्कि उन्हें नैतिक और सामाजिक रूप से भी मजबूत करना है। अभिभावकों का सहयोग इस दिशा में महत्वपूर्ण है। आयोजन में शामिल हुए अभिभावकों ने स्कूल के इस प्रयास की जमकर प्रशंसा की। अभिभावकों ने इस आयोजन को एक सफल पहल बताते हुए स्कूल प्रबंधन और स्टाफ की सराहना की।

मॉडर्न स्कूल में हुई शैक्षणिक प्रगति पर चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

मॉडर्न वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भोजावास में अभिभावक-अध्यापक बैठक का आयोजन किया गया। स्कूल प्राचार्य तथा समस्त स्टाफ सदस्यों ने अभिभावकों का स्वागत किया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति पर चर्चा करना तथा अभिभावकों-शिक्षकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना था। सभी अभिभावकों ने अपने बच्चों की अर्धवार्षिक परीक्षा की रिपोर्ट कक्षा अध्यापक से प्राप्त की तथा बच्चों के द्वारा दी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाएं भी अभिभावकों ने देखी। अभिभावकों ने अपने बच्चों की पढ़ाई, व्यवहार तथा अन्य

महेंद्रगढ़। पीटीएम में भाग लेने पहुंचे अभिभावक एवं टीचर्स।

गतिविधियों के बारे में अध्यापकों से चर्चा की।

अध्यापकों ने अभिभावकों से कहा कि आप घर पर बच्चों के लिए पढ़ाई का माहौल तैयार करें, ताकि बच्चों को आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में पीछे मुड़कर न देखना पड़े। अध्यापकों ने आग्रह किया कि अपने बच्चों को मोबाइल से दूर रखें तथा इससे होने वाली हानियों के बारे में बच्चों को बताएं। संस्था के निदेशक हवा सिंह यादव व राजकुमार यादव ने इस पीटीएम में पहुंचे अभिभावकों का धन्यवाद किया और उन द्वारा दिए गए सुझावों का सम्मान किया। निदेशक ने बताया कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अभिभावकों का पीटीएम में पहुंचना बहुत जरूरी है। इस मौके पर संस्था के निदेशक राजकुमार यादव, हवासिंह यादव, प्रबंध समिति के सदस्य मनोज कुमार, नवीन कुमार, प्राचार्य अनिल कुमार आदि उपस्थित रहे।

कनीना। मेले में आए मेहमानों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

आरआरसीएम स्कूल में मेला आयोजित

कनीना। आरआरसीएम पब्लिक स्कूल में दीपावली के मद्देनजर भव्य मेले का आयोजन किया गया, जिसका शुभारम्भ संस्था के चेयरमैन रोशन लाल यादव व प्राचार्य हरिप्रकाश शर्मा द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलित करके किया गया। स्कूल परिसर में आयोजित इस मेले में विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया। अनेक गणमान्य बुद्धिजीवियों ने भी मेले में भाग लिया। मेला स्थल को रंग-बिरंगी रोशनी, पारंपरिक कलाकृतियों और दीयों से सजाया गया था, जो दीपावली के त्योहार की खुशियों को दर्शा रहा था। विद्यार्थियों ने हस्तनिर्मित वस्तुओं, सजावटी सामानों, और स्वादिष्ट व्यंजनों के स्टॉल लगाए। मेले का मुख्य आकर्षण विभिन्न प्रकार के गेम्स, लक्की ड्रॉ और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां व झूले रहे। विद्यार्थियों ने आकर्षक गेम्स के स्टॉल लगाए, जहां विजेताओं को मजेदार पुरस्कार दिए गए। साथ ही पारंपरिक और आधुनिक व्यंजनों के स्टॉलों पर भी काफी भीड़ देखने को मिली। प्रधानाचार्य हरिप्रकाश शर्मा ने मेले के सफल आयोजन पर सभी को बधाई दी।

नौसैनिक पंकज को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

भारतीय नौसेना के लीडिंग सीमैन पद से सेवानिवृत्त हुए पंकज का उनके पैतृक गांव धनौंदा में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि प्रमुख समाजसेवी नेताजी अतरलाल एडवोकेट ने ग्रामीणों के साथ पंकज को साफा पहनाकर तथा प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया। समारोह की अध्यक्षता वेदपाल दहिया ने की।

सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि नेताजी अतरलाल ने कहा कि पंकज ने 15 साल तक भारतीय जलसेना में सराहनीय कार्य करते हुए गुजरात, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, केरल, अमेरिका, रूस, साउथ कोरिया व चीन आदि स्थानों

नारनौल। नौसैनिक पंकज को सम्मानित करते नेताजी अतरलाल एडवोकेट व अन्य।

पर नौसैनिक के रूप में अपनी सेवाएं दी और नायक के पद से सेवानिवृत्त होकर गांव तथा जिला का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि सैनिक देश की शान हैं, उनका सम्मान करना हर देशवासी का नैतिक कर्तव्य है। राजेंद्र सिंह नंबरदार, सूरत सिंह मुख्याध्यापक, वेदपाल व डॉ. चेतन कुमार ने भी पंकज की सेवाओं की सराहना की। इस मौके पर राजेंद्र, थानेदार सतपाल, मास्टर झम्मनलाल, डॉ. दिलीप, राजकुमार, विजय कुमार एडवोकेट, मदन पंच, वेदपाल, कंवर, दीपक, प्रवीन, चित्रपाल, पूनम, प्रेमलता, राजबाला, बिमला, गुड्डी, डॉ. ज्योति, डॉ. बाबूलाल आदि ने पंकज को सम्मानित किया।

नि:शुल्क चिकित्सा शिविर में 128 मरीजों का स्वास्थ्य जांचा

प्रशिक्षण के लिए 84 कन्या और महिलाओं ने करवाया पंजीकरण

सेवा भारती शाखा ने किया सिलाई प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

सेवा भारती शाखा की ओर से रविवार को मोहल्ला कोलियान में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर गेटवेल हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में लगाया गया। जिसमें हॉस्पिटल के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. जितेंद्र यादव, डॉ. चमनदीप, डॉ. कार्तिक व डॉ. निशा ने अपनी सेवाएं प्रदान की। शिविर में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने स्वास्थ्य जांच करवाई तथा आवश्यक परामर्श प्राप्त किया। इस चिकित्सा शिविर में कुल 128 ओपीडी दर्ज की, जिसमें

नारनौल। कैम्प में मरीजों की जांच करते चिकित्सक। फोटो : हरिभूमि

सभी के के स्वास्थ्य की जांच की गई। चिकित्सा दल की ओर से मरीजों को सामान्य जांच, ब्लड प्रेशर, शुगर एवं अन्य रोगों की जांच संबंधी सेवाएं दी गई।

सिलाई प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ भी किया गया। जिसमें 84 कन्याओं व महिलाओं ने अपना पंजीकरण कराया। इस केंद्र के माध्यम से उन्हें आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रशिक्षित किया जाएगा। शिविर को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष अशोक सिंघल ने कहा कि सेवा भारती का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा का भाव पहुंचाना है। चिकित्सा शिविरों एवं कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से समाज के जरूरतमंद वर्ग को सशक्त बनाना ही हमारा संकल्प है। कार्यक्रम का संचालन शाखा सचिव डॉ. शिव कुमार ने प्रभावशाली ढंग से किया। जिन्होंने पूरे आयोजन को अनुशासित व ऊर्जावान माहौल में आगे बढ़ाया।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में सेवा भारती शाखा के पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। जिनमें अशोक सिंघल, अश्वनी कटारिया, मुकेश जैन, बजरंग गुप्ता, सचिव डॉ. शिवकुमार, सुमनकांत चुग, संजय वर्मा, सुभाष वर्मा, देवेंद्र वर्मा, राजेश गोयल, डॉ. दीपक कुमार, रमेश, सुदेश तायल, सुनील चुग, प्रतिमा भारद्वाज, अतर सिंह, हनी गुप्ता व शिवशंकर अग्रवाल सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में कोली समाज के प्रधान प्रवीण कुमार, विक्रम कोली, देवेंद्र पार्षद, हरीश कोली पूर्व पार्षद, गोविंद कुमार पूर्व प्रबंधक पीएनबी, रामनिवास टेलर मास्टर, रमेश कोली आदि की भी अहम भूमिका रही।

जैलाफ में एक दिवसीय एनएसएस कैम्प आयोजित

राष्ट्र सेवा योजना युवाओं में नेतृत्व और सामूहिक एकता करने का सशक्त साधन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल जैलाफ में प्राचार्य लोकेश कुमार की अध्यक्षता व एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी धर्मसिंह के नेतृत्व में एक दिवसीय राष्ट्र सेवा योजना कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें प्रमुख समाजसेवी छाजूराम रावत व प्रवक्ता सुरेंद्र कुमार ने अतिथि स्वरूप भाग लिया। सर्वप्रथम धर्मसिंह ने सभी स्वयंसेवकों व अतिथियों का स्वागत किया। इसके बाद स्वयंसेवकों को एनएसएस के उद्देश्यों व उसमें स्वयंसेवकों की भूमिका पर बोलते हुए कहा कि एनएसएस का मुख्य उद्देश्य स्वयंसेवकों को समाज व देश सेवा हेतु तैयार करना है। इसमें साहसिक कार्यक्रम, स्वास्थ्य शिविर, जागरूकता रैली, रक्तदान, श्रमदान आदि कार्यक्रम शामिल किए जाते हैं।

प्रवक्ता सुरेंद्र कुमार ने कहा कि जिले की सभी एनएसएस इकाइयां प्रदेश एनएसएस अधिकारी दिनेश शर्मा के मार्गदर्शन में सराहनीय कार्य कर रही हैं। एनएसएस इकाइयां युवाओं में समुदाय व देश से जोड़ने का कार्य करती हैं। विशेष शिविरों के माध्यम से युवाओं में जिम्मेवारी, देश सेवा, राष्ट्रीय एकता, आपातकालीन

नारनौल। शिविर में स्वच्छता श्रमदान करते स्वयंसेवक।

सहायता आदि की समझ विकसित होती है। मुख्य अतिथि समाज सेवक छाजूराम रावत ने कहा कि राष्ट्र सेवा योजना युवाओं में नेतृत्व, सामूहिक एकता व सेवा भाव जागृत करने का सशक्त साधन है।

आज युवा अपने पथ से विचलित हो रहे हैं, उन्हें इस प्रकार की योजनाओं से जुड़कर अपने व्यक्तित्व का विकास करना चाहिए। प्राचार्य लोकेश कुमार ने विकसित भारत पोर्टल पर अधिक से अधिक युवाओं को पंजीकरण करके इन्नोवेटिव विचार अपलोड करने का आग्रह किया। कैंप के सफल संचालन के लिए एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी, स्वयंसेवकों, एएसएमसी प्रधान व सभी ग्रामीणों का धन्यवाद किया। इस मौके पर पंच अमर सिंह, कृष्ण आदि उपस्थित थे।

खबर संक्षेप

वैश्य समाज के प्रतिनिधियों को किया सम्मानित

महेंद्रगढ़। वैश्य समाज के प्रतिनिधियों की मीटिंग अग्रोहा धाम वैश्य समाज के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष व हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग की अध्यक्षता में हुई, जिसमें महेंद्रगढ़ के वैश्य समाज के प्रतिनिधियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने कहा कि देश व प्रदेश में अग्रोहा धाम की इकाइयों का विस्तार किया जा रहा है। देश के हर तीर्थ स्थलों पर अग्रोहा धाम के नाम पर धर्मशाला का निर्माण किया जाएगा। अग्रोहा धाम में करोड़ों रुपये की लागत से विकास कार्य हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा अग्रोहा को रेलवे लाइन से जोड़ने की वार्षिक बजट में मंजूरी देने के बावजूद आज तक काम नहीं हो होने से वैश्य समाज में नाराजगी है, जबकि सरकार ने 93 किलोमीटर नई रेलवे लाइन बिछाने के घोषणा कई बार की है, मगर अभी तक रेलवे लाइन का काम शुरू तक नहीं हुआ है।

आईपीएस आत्महत्या मामले की निष्पक्ष जांच हो: राता

मंडी अटेली। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार की आत्महत्या की घटना ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है। घटना पर दुख व्यक्त करते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता महेंद्र सिंह

राता ने कहा कि यह बहुत शर्मनाक है कि सरकारी तंत्र में बड़े पद पर बैठे इस पुलिस अधिकारी को इस हद तक जातिगत भेदभाव, अपमान और उत्पीड़न झेलना पड़ा कि उन्होंने आत्मघाती कदम उठा लिया। एडीजीपी वाई पूरण कुमार की इस दर्दनाक मौत ने हर संवेदनशील नागरिक को झकझोर कर रख दिया है। हरियाणा प्रदेश में यह पहला मामला है, जब एक वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी ने अपने ही विभाग की दबावपूर्ण परिस्थितियों के चलते आत्महत्या जैसा कदम उठाना पड़ा है। उन्होंने कहा कि इस पूरे प्रकरण में निष्पक्ष जांच होनी चाहिए, ताकि सच्चाई जनता के सामने आ सके।

हरित वसुंधरा आधार समिति हुई बैठक

नारनौल। हरित वसुंधरा आधार समिति की आम सभा की बैठक रविवार को आयोजित की गई। जिसमें पर्यावरण हितैषी गतिविधियों पर विस्तृत चर्चा की। समिति ने सिंगल यूज प्लास्टिक के विकल्प के रूप में स्टेनलेस स्टील के बर्तनों को मुफ्त उपलब्ध कराने के अभियान का शुभारंभ किया। समिति प्रधान एडवोकेट हर्ष सैनी की अध्यक्षता में आयोजित आम सभा में समिति सदस्यों ने पर्यावरण हितैषी गतिविधियों पर चर्चा की। समिति सदस्या अंजलि की ओर से समाज में आए दिन होने वाले पारिवारिक समारोह व भंडारों आदि के दौरान इस्तेमाल होने वाले सिंगल यूज प्लास्टिक से बने उत्पादों के विकल्प के रूप में अच्छे स्टेनलेस स्टील के बर्तन समिति की ओर से निःशुल्क उपलब्ध होंगे।

वरिष्ठ नागरिक संगठन ने बैठक कर की नप व प्रशासन से मांग

शहर को बंदरों व अवारा कुत्तों से दिलाई जाए निजात

- फुटपाथों से हटाया जाए अतिक्रमण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

वरिष्ठ नागरिक संगठन की मासिक बैठक संगठन के कार्यालय किला रोड स्थित साध्वी बहन मिश्री देवी आश्रम में हुई। जिस की अध्यक्षता संगठन के प्रधान दुलीचन्द शर्मा ने की। बैठक में सुरेश भारद्वाज, बीएल सैनी, प्रभातीलाल, उत्तमसिंह यादव, हरिद्वारीलाल वर्मा, संगठन के संरक्षक अजीत प्रकाश जैन व संगठन के प्रधान दुलीचन्द शर्मा को उनके जन्मदिन के लिए सम्मानित किया गया तथा उनके स्वस्थ रहकर दीर्घायु होने की कामना की। बैठक का संचालन संगठन के संयुक्त सचिव प्रो. शिवहरी अग्रवाल ने किया।

नारनौल। बैठक में भाग लेते वरिष्ठ नागरिक। फोटो: हरिभूमि

शिवलाल वर्मा ने बताया कि नगर परिषद की ओर से शहर में लाइट समस्या के समाधान के लिए जारी किए गए टोल फ्री नम्बर पर फोन करने पर तुरंत कार्रवाई अमल में लाई बात कही गई थी, लेकिन इस नम्बर पर कोई रिस्पांस ही नहीं मिलता है। जिससे लाइटें ठीक नहीं हो पाती। उन्होंने मांग है कि टोल फ्री नम्बर से अवश्य उत्तर मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि शहर की कुछ लाइटें 24 घंटे जलती रहती है। इसलिए नगर परिषद के अधिकारियों से अनुरोध है कि इस समस्या का जल्द से जल्द समाधान किया जाए। एडवोकेट राजकुमार चौधरी ने बताया कि शहर में बंदरों व आवारा कुत्तों का आतंक बहुत ज्यादा है। इनके काटने के कई मामले सामने आ चुके हैं। इसलिए नगर परिषद को इस समस्या का गंभीरता से समाधान करना चाहिए। शिवलाल वर्मा ने कहा कि आमजन को फुटपाथ पर चलने का अधिकार सर्वोच्च न्यायालय की ओर से दिया गया है, लेकिन अधिकतर फुटपाथों पर अनाधिकृत अतिक्रमण होने के कारण चलना दूभर है। इसलिए फुटपाथ का अतिक्रमण हटाना चाहिए।

टूटी सड़कों की मरम्मत की मांग

विजयसिंह यादव ने बताया कि पुरानी मण्डी से जल महल तक की सड़क टूटी है तथा सेन चौक का भी बुरा हाल है। इसलिए सड़क का जल्द से जल्द समाधान होना चाहिए। उन्होंने बताया कि सीआईए रोड, नई बस्ती व मालटिब्बा मोहल्ला की सीवर ठीक करने के लिए जन स्वास्थ्य विभाग से अनुरोध किया गया था, लेकिन अभी तक समस्या का समाधान नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि नगर परिषद के पास सीवर साफ करने की मशीन नहीं है। इसलिए जिला प्रशासन से अनुरोध है कि नगर परिषद के लिए सीवर लाइन साफ करने के लिए पूर्णकालिक मशीन की व्यवस्था की जाए। इसके अलावा सीवर साफ करने के बाद गन्दगी का ढेर, वहीं कर दिया जाता है और उसे उठाया ही नहीं जाता है। इसलिए भविष्य में सीवर लाइन साफ करने पर जो गन्दगी बाहर निकलती है, उसे तुरंत उठाया जाए।

ये रहे मौजूद

मौके पर अजीत जैन, शिवलाल वर्मा, प्रो. शिवहरी अग्रवाल, एसएल चौहान, भागीरथ प्रसाद, हरीराम गुप्ता, रामनिवास यादव, मास्टर जयदयाल, गणपतराम सैनी, नरेंद्र धोलिया, हरिद्वारीलाल वर्मा, सुभाष सिंगल, रविन्द्र कुमार चौधरी, रामनिवास सैनी, रामविलास यादव, प्रताप सिंह राजपूत, मास्टर वासुदेव, चेतन स्वरूप, उत्तमसिंह यादव, प्रेमचंद जैन, प्रभातीलाल, एडवोकेट राजकुमार चौधरी, जयप्रकाश कौशिक, उमादत्त शर्मा, सुरेश भारद्वाज, बीएल सैनी, जसवंत सिंह यादव, रामजीलाल मित्तल, बद्रीप्रसाद आदि उपस्थित रहे।

मुख्य बाजार की सड़क होने के कारण बढ़ी ग्राहकों व व्यापारियों की परेशानी

तीन साल में ही मॉडल सड़क ने तोड़ा दम, वाहन चालक परेशान

करीब तीन वर्ष पूर्व नगर पालिका की ओर से बनाई गई थी शहर की आईटीआई रोड की सड़क

- व्यापारियों का व्यापार हो रहा है प्रभावित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

शहर की मॉडल सड़क पर नगर पालिका की ओर से बनाई गई सड़क महज तीन साल में दम तोड़ गई है। सड़क में बने गहरे गड्डों के कारण वाहन चालकों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। वहीं व्यापारियों का व्यापार भी प्रभावित रहा है। इसके अलावा आने–जाने वाले वाहन चालकों को भी हिचकोल खाकर गुजरने को मजबूर हैं। नगर पालिका की ओर से अभी तक इस सड़क पर पैचवर्क नहीं किया जा रहा है।

बता दें कि नगर पालिका द्वारा करीब तीन साल पहले आईटीआई सड़क को मॉडल सड़क का दर्जा दिया गया था। इस सड़क को करोड़ों रुपये की लागत से निर्माण करवाया गया था। मॉडल सड़क से तीन साल में ही रोड़िया निकलनी शुरू हो गई है। वहीं कई जगह गहरे गड्डे होने लगे हैं। टूटी सड़क के कारण वाहन चालकों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। वहीं समीप बस स्टैंड होने के कारण यात्रियों की परेशानी अधिक बढ़ गई है। बस स्टैंड पर आने वाले वाहनों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही हैं। इसके अलावा डिवाइडर पर लगाई गई टाईल भी उखड़नी शुरू हो चुकी है। लोगों ने नगर पालिका प्रशासन से सड़क की मरम्मत करने की मांग की है। यह मार्ग जिले के कई गांवों को शहर से जोड़ता है। करीब तीन दर्जन गांवों के लोग शहर आने के लिए इस मार्ग का प्रयोग करते है। सड़क की दयनीय स्थिति होने के कारण ग्रामीणों व शहरवासियों काफी परेशानी उठानी पड़ती है। इस मार्ग से कई शिक्षण संस्थानों व रोडवेज बस होकर गुजरती है। सड़क की दयनीय स्थिति होने के कारण स्कूलों और कॉलेज के विद्यार्थियों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। इस मार्ग पर हैं कई दुकानें: इस मार्ग पर करीब 200 से अधिक दुकान व रेहड़ी हैं। यह मार्ग शहर का प्रमुख मार्ग है। लोग लघु सचिवालय, बस स्टैंड, अस्पताल, जाने के लिए इसी मार्ग का इस्तेमाल करते हैं। इसके अलावा लोग सब्जी मंडी जाने के लिए इसी रोड से होकर गुजरते हैं। स्कूली विद्यार्थी व कॉलेज की छात्राएं महाविद्यालय में इसी रास्ते से जाते हैं। शहर के लोगों ने प्रशासन से इस रोड का जल्द निर्माण करने की मांग उठाई हैं।

महेंद्रगढ़। सड़क से उखड़ी पड़ी रोड़ियां। फोटो: हरिभूमि

इन सड़कों की हालात हो चुकी खराब

शहर में इन दिनों फूलचंद हनुमान मंदिर से मस्जिद तक, ब्रहमचारी रोड़ से राव बहादुर सिंह की कोठी तक, बालाजी चौक से रेलवे स्टेशन तक, रेलवे स्टेशन से लेकर माजरा फाटक तक, बालाजी चौक से सब्जी मंडी, नेमी मिष्ठान भंडार से पूर्व विधायक राव दानसिंह के मकान तक, मोहल्ला कुम्हारान की सड़क की हालात खस्ता हो चुकी हैं।

निर्माण कराया जा रहा

आईटीआई रोड शहर की प्रमुख सड़क है। नगर पालिका की ओर से शहर की प्रमुख सड़कों का निर्माण करया जा रहा है। अधिकतर सड़कों का निर्मा हो चुका है। जब तक आईटीआई सड़क का निर्माण नहीं होता, तब तक पेचवर्क किया जाएगा, ताकि लोगों को कोई परेशानी न हो।

-रमेश सैनी, प्रधान नगर पालिका महेंद्रगढ़

नारनौल। गीता पाठ करते श्रद्धालु। फोटो: हरिभूमि

मोहल्ला बांस में गीता पाठ और सत्संग का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

शहर की प्रसिद्ध धार्मिक संस्था श्रीकृष्ण कृपा जीओ गीता परिवार के तत्वावधान में गुरुदेव गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज की सदप्रेरणा से पावन कार्तिक मास में रोजाना किसी न किसी भक्तजन के निवास स्थान पर गीता पाठ व सत्संग का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में शनिवार रात को लालचंद सैनी के निवास स्थान मोहल्ला बांस में गीता पाठ एवं सत्संग का आयोजन किया गया। संस्था के प्रधान सुरेंद्र यादव ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए बताया कि सर्वप्रथम सुरेंद्र सैनी ने गणेश वंदना से गीता पाठ का शुभारंभ किया। हरि शरणम संकीर्तन चेतन जिंदल ने, ओम नमो भगवते वासुदेवाय राधिका सैनी, भगवत स्तुति गीता मंत्र सुनीता ने, श्री कृष्ण कृपा अमृत पाठ सुरेंद्र यादव ने, 12वां अध्याय मास्टर शिवहरी ने, अष्टादश श्लोकी गीता पाठ मास्टर सुरेश कुमार ने, नौ श्लोकी पाठ मीनू ने, विश्व शांति सद्भाव प्रार्थना निवेदिता ने किया। गीता पाठ के बाद भजनों का दौर शुरू हुआ। जिसमें राजेश यादव ने जो शरण गुरु की आया, चेतन जिंदल ने पलके ही पलके बिछाएंगे जिस दिन श्याम प्यारे घर आएंगे, संजय गोयल ने किस्मत वालों को मिलता है श्याम का दरबार, दुष्यंत शर्मा ने मन की बात सांवरिया ने आज सुनाकर देख ले, आचार्य प्रवेश रसिक ने श्यामा हृदय कमल सु नीपजो वृंदावन प्यारो वृंदावन भजन पर सभी भक्तों को नाचने झूमने पर मजबूर कर दिया। इस मौके पर गोपाल नंबरदार, बजरंग शुक्ला, महेश सोनी, सुमन सोनी, रविंद्र फौजी, प्रेम आजाद, मधु, शुभम, साहिल मित्तल, शिवप्रकाश कंछल, वासुदेव, मोनिका आदि उपस्थित थे।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विधायक मंजू चौधरी की अगुवाई में निकाली आक्रोश रैली

- गांव वाइज मतदाताओं को जागरूक करने की बनाई रूपरेखा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नांगल चौधरी

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विधायक मंजू चौधरी की अगुवाई में वोट चोर गद्दी छोड़ रैली निकाली। जिसमें जिला प्रधान सतबीर झूकिया, रिटायर्ड आईएएस विनय सिंह व सत्यपाल दहिया मुख्य रूप से मौजूद रहे। इस दौरान उन्होंने भाजपा पर मतदान में फर्जीवाड़ा करके सत्ता पर काबिज होने के आरोप लगाए हैं। इसके लिए गांव वाइज रैली निकालकर मतदाताओं को जागरूक करने की रूपरेखा बनाई है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने नीति और नैतिकता वहीन राजनीति करना आरंभ कर दिया। चुनावों के दौरान दो करोड़ युवाओं को हर साल रोजगार देने, महंगाई घटाने तथा किसानों की आमदनी बढ़ाने का वादा किया गया था, लेकिन सत्ता मिलते ही सबसे पहले युवाओं के रोजगार पर कैंची चलाई गई है। सरकार की गलत नीतियों के कारण हजारों लघू उद्योग बंद हो गए। जिसमें कार्यरत करोड़ों युवा बेरोजगार हुए हैं। जिससे आक्रोशित जनता ने लोकसभा व विधानसभा चुनावों में भाजपा के खिलाफ मतदान किया था, लेकिन भाजपा ने सत्ता का दुरपयोग करते हुए वोटिंग होने के तीन बाद फर्जीवाड़े से मतदान बढ़ा दिया। महाराष्ट्र में एक ही फ्लैट से 40 हजारा मतदाताओं के एड्रेस की पुष्टि हुई है। हरियाणा में भी भाजपा ने सत्ता की ताकत से धांधली की मदद से सत्ता हासिल की है। संसद में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के आह्वान पर पार्टी ने देशव्यापी आंदोलन चलाया है।

विधायक ने आरोप लगाया कि भाजपा की नीतियां जनहित में नहीं, केवल पूंजीपतियों को फायदा पहुंचाने वाली योजनाएं क्रियाविंत हो रही हैं। इस मौके पर महिला जिला प्रधान राज सुनेश यादव, ओमप्रकाश मांडैया, युवा विंग के जिला प्रधान पुनीत बुलान, होशियार रावत, देशराज सरपंच, सतबीर, मंजीत यादव एडवोकेट, राजकुमार, सोनू तंवर, बालकिशन, शीशराम एडवोकेट आदि मौजूद रहे।

नांगल चौधरी। शहर में वोट चोर गद्दी छोड़ आक्रोश रैली निकालते कांग्रेस के कार्यकर्ता।

जातीय भेदभाव के खिलाफ कार्रवाई की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

गुरु रविदास महासभा की आम सभा का आयोजन रैदास आश्रम के पास स्थित कार्यालय में नवचयनित प्रधान बाबूलाल नारनौलिया की अध्यक्षता में किया गया। जिसमें जिले के विभिन्न संगठन हजरस, हरियाणा अनुसूचित जाति जनजाति कर्मचारी कल्याण संघ, महल अनुसूचित जाति विकास मंच, वाल्मीकि सभा, चमार महासभा, रिटायर्ड कर्मचारी संघ आदि के पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया। बैठक में मंच संचालन प्रेस सचिव जयसिंह नारनौलिया ने किया।

इस अवसर पर गुरु रविदास महासभा की नवचयनित कार्यकारिणी का सभी से परिचय करवाया गया। बैठक में भारत के सर्वोच्च न्यायालय के चीफ जस्टिस बीआर गवई पर जूता फेंकने के दोषी पर कोई भी कार्रवाई न होने तथा जातीय भेदभाव एवं उत्पीड़न के कारण हरियाणा के एडीजीपी वाई पूरण कुमार के आत्महत्या करने, हरिओम वाल्मीकि की हत्या होने पर समस्त अनुसूचित जाति समाज के लोगों ने रोष जताया और कड़े शब्दों में दोषियों की भर्त्सना की। सभी संगठनों के लोगों ने जिला स्तर पर प्रदर्शन करने हेतु आगामी रणनीति बनाने के लिए 13 अक्टूबर सायं चार बजे अंबेडकर भवन मालवीय नगर में समस्त अनुसूचित जाति समाज की बैठक बुलाई। सभा को जयनारायण दुग्गल, राजपाल गोरा, मानसिंह नूनीवाल, जोगेंद्र जैदिया, कंवर सिंह, प्रवक्ता अशोक कुमार पटीकरा, रामसिंह धाकड़, प्यारेलाल चवन, अशोक दास नारनौलिया आदि ने संबोधित किया। इस मौके पर अमर सिंह कटारिया, सुरेंद्र सिहमा, अरुण कुमार, सुधीर कुमार, दयानंद सांवरिया, रोहताश नीरपुर, सुरेश कुमार, अशोकदास, रामस्वरूप, रामसिंह धाकड़, सूबेदार फूलचंद, उमराव गोरा, भानीसहाय मांडैया आदि मौजूद थे।

नारनौल। बैठक करते संगठन के सदस्य। फोटो: हरिभूमि

प्रदेश के 22 जिलों से भारी संख्या में लोग सैनी सभा पहुंचकर इस बैठक में हिस्सा लिया

महाराजा शूरसेन जयंती की प्रदेशस्तरीय बैठक सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में आगामी 16 नवम्बर को होने वाली महाराजा शूरसेन जयंती को लेकर रविवार को सैनी सभा प्रांगण में एक महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई। जिसमें पूरे प्रदेश के 22 जिलों से भारी संख्या में लोग सैनी सभा पहुंचकर इस बैठक में हिस्सा लिया। इसके साथ सैनी सभा केसभी पदाधिकारी व कार्यकारिणी सदस्य भी उपस्थित थे। बैठक की अध्यक्षता सैनी सभा के प्रधान बिशन कुमार सैनी ने की। बैठक में मंच का संचालन मास्टर रविंद्र सैनी ने किया।

बैठक में सभी प्रतिनिधियों ने आगामी 16 नवम्बर को होने वाली राज्य स्तरीय जयंती को ऐतिहासिक व भव्य रूप से मनाने के लिए अपने विचार और सुझाव प्रस्तुत किए। जवाहर सैनी ने कहा कि महाराजा शूरसैनी हमारे गौरवशाली इतिहास और संस्कारों के प्रतीक हैं। हमें समाज के युवाओं को उनके आदर्शों और योगदान से परिचित कराना चाहिए। शहर में होने वाली आगामी राज्य स्तरीय जयंती पूरे हरियाणा में सैनी समाज की एकता और शक्ति का संदेश देगी। यह कार्यक्रम केवल उत्सव नहीं, बल्कि समाज की एकजुटता और प्रगति का प्रतीक होगा। सभी कार्यकर्ता, युवा, महिलाएं और समाज के वरिष्ठजन मिलकर इस आयोजन को यादगार बनाएं, ताकि आने वाली पीढ़ियां इसे प्रेरणा स्वरूप देखें। बैठक में प्रदेश से आए हुए सभी गणमान्य बंधुओं ने यह संकल्प लिया कि आगामी 16 नवम्बर को होने वाली महाराजा शूरसैनी जयंती पर लाखों की तादाद में लोगों को सम्मिलित कराकर रैली को ऐतिहासिक बनाएंगे। अंत में सैनी सभा प्रधान बिशन कुमार सैनी ने सभी प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया और कहा कि 16 नवम्बर को होने वाली जयंती में प्रदेशभर से हजारों समाज बंधु एकत्र होकर महाराजा शूरसेन को नमन करेंगे।

नारनौल। बैठक को संबोधित करते सभा प्रधान बिशन कुमार सैनी। फोटो: हरिभूमि

बैठक में यह रहे मौजूद

बैठक में प्रमुख अतिथियों में ऑल इंडिया सैनी समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिलबाग सिंह सैनी, पूर्व अध्यक्ष एवं वरिष्ठ भाजपा नेता जवाहर सैनी, धर्मचंद सैनी प्रदेश अध्यक्ष सैनी महासभा हरियाणा, गुरनाम सैनी प्रधानए सैनी समाज कुरुक्षेत्र, राजकुमार सैनी प्रधान सैनी सभा अंबाला कैंट, संदीप सैनी जिला उपाध्यक्ष भाजपा अंबाला, जसविंद्र सैनी अध्यक्ष मार्केट कमेटी, कुलवंत सैनी वाइस चेयरमैन रतिया, सुभाष सैनी प्रधान सैनी सभा झरथल, बीरबल सैनी अध्यक्ष नगर पालिका फारूकनगर, रमेश सैनी प्रतिनिधि अध्यक्ष नांगल चौधरी, सुरेशचंद सैनी प्रधान सैनी सभा महेंद्रगढ़, दीनदयाल सैनी प्रधान बावल, मित्रसेन सैनी प्रधान नांगल शाहबाजपुर, चेतराम सैनी अध्यक्ष सैनी पब्लिक स्कूल रेवाड़ी, नरेंद्र सिंह सैनी जिला प्रधान सैनी महासभा सिरसा, विनोद सैनी सोनीपत, अशोक सैनी हिसार, राजेश दहिया प्रदेश अध्यक्ष सैनी महापंचायत, बक्शी सैनी अध्यक्ष नगर पालिका चरखी दादरी, गोल्डी सैनी अंबाला, संदीप सैनी अंबाला, मुकेश सैनी गुड़गांव, डॉ. दिनेश सैनी यमुनानगर, कमलेश सैनी चेयरपर्सन, भारती सैनी पूर्व चेयरपर्सन, जेपी सैनी, लक्ष्मी देवी ग्रीवेंस कमेटी मेंबर प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

नारनौल। गोवंश के लिए सवामणी लगाते हुए। फोटो: हरिभूमि

श्रीगोपाल गोशाला में लगाई सवामणि

नारनौल। श्री गो गोपाल प्रचार एवं असहाय सेवा संस्थान के तत्वावधान में रविवार को आचार्य बजरंग शास्त्री के सानिध्य में श्रीगोपाल गोशाला में सवामणी का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम आचार्य बजरंग शास्त्री ने मुख्य यजमान मनीष शास्त्री, मंजू शर्मा, महेश भालोठिया, मंजू भालोठिया, मनोज अग्रवाल, मुस्कान अग्रवाल व राजकुमार चौधरी सहित सभी सदस्यों से देवी देवताओं सहित विधिविधान पूजन करवाया। गोमाता की आरती कर सभी सदस्यों ने मिलकर गो पूजन किया। इसके बाद हरी सब्जी, हरा चारा सहित खल, मेथी, गुड़, सरसों, तेल, नमक आदि मिलाकर सवामणी तैयार कर गोवंश को खिलाई। इस अवसर पर उप प्रधान कृष्ण गुप्ता ने बताया कि गाय के शरीर में सभी देवताओं का वास होता हैं। गाय की सेवा करने से मनुष्य की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। संस्था के सदस्य उमेश शर्मा ने कहा कि गाय की सेवा करने से मनुष्य के अनेक प्रकार के दोष दूर होते व अलौकिक पुण्य की प्राप्ति होती है। संजय सैनी ने बताया कि सवामणी के बाद चेक भी गोपाल गोशाला को भेंट किया गया। इस मौके पर राजेंद्र गुप्ता, मनोज अग्रवाल, प्रदीप संघी, राजकुमार, सोमदेव, पवन शर्मा, राजकुमार चौधरी, रेखा संघी, लीलावती देवी, मुस्कान अग्रवाल, मंजू भालोठिया, निर्मल देवी, सरला शर्मा, उमेश शर्मा, जोगिंद्र गर्ग, राकेश बंसल, मधुर बंसल, पिंकी शर्मा, शकुंतला देवी, राघव गोयल, उन्नति शर्मा, पूर्वी शर्मा, लक्षिका, देवांशी आदि मौजूद थे।